दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-60 सीहोर, रविवार 19 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

मेरे पास कोई सम्पत्ति नहीं है, किंतु फिर भी मैं समझता हूं कि मैं दुनिया में सबसे धनवान आदमी हूँ, क्योंकि मुझे कभी रुपये-पैसे की कमी नहीं रहीं है - न खुद अपने लिए और न अपने सार्वजनिक कामों के लिए। परमात्मा ने मुझे हर अवसर पर सामयिक मदद भेजी है। ऐसे कई मौके मुझे याद हैं जब मेरे सार्वजनिक कामों के लिए मेरे पास एक पैसा भी नहीं रह गया था। पर उस समय ऐसी जगहों से रुपया आ पहुँचा जहाँ से रुपया मिलने की मुझे कोई आशा न थी।

(30.04.1925 : यंग इंडिया में प्रकाशित टिप्पणियों का अंश : सं.गां.वां. खंड 26 : पृष्ठ 557)

श्रमिक आंदोलन : पाकिस्तानी कनेक्शन की जांच में जुटी एटीएस, भड़काऊ सोशल मीडिया अकाउंट्स रडार पर

नोएडा,(आरएनएस)। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के दौरान हुई तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में अब जांच ने नया मोड़ ले लिया है। प्रारंभिक जांच में इस पूरे घटनाक्रम के पीछे संदिग्ध विदेशी कनेक्शन, विशेष रूप से पाकिस्तानी लिंक सामने आने के बाद अब मामले की जांच एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) भी कर रही है। एटीएस ने इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया है और हर पहलू को बारीकी से खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया था, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़फोड़, वाहनों में आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस और प्रशासन को हालात काबू में करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। जांच एजेंसियों को शक है कि इस पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित तरीके से भड़काया गया। खासतौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को उकसाने और माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई। एटीएस अब उन सभी सोशल मीडिया और ट्विटर अकाउंट्स की गहन जांच कर रही है, जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ पोस्ट, वीडियो या मैसेज शेयर किए थे।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ संदिग्ध अकाउंट्स की लोकेशन और गतिविधियां देश के बाहर से संचालित होने के संकेत दे रही हैं, जिनका संबंध पाकिस्तान से होने की आशंका जताई जा रही है। इन अकाउंट्स के जरिए अफवाहें फैलाने, गलत जानकारी देने और लोगों को हिंसा के लिए उकसाने का प्रयास किया गया। एटीएस डिजिटल फॉरेंसिक टीम की मदद से इन अकाउंट्स के डेटा, आईपी एड्रेस और नेटवर्क कनेक्शन की जांच कर रही है।

साथ ही, यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इन अकाउंट्स का किसी आतंकी संगठन या संगठित नेटवर्क से कोई संबंध है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और जो भी व्यक्ति या समूह इस हिंसा में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों का डीए 2 प्रतिशत बढ़ाया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इस फैसले को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले अक्टूबर में डीए को 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत किया गया था, जो 1 जुलाई 2025 से लागू हुआ था। बाद में इसका एरियर भी दिया गया था। बता दें कि डीए और महंगाई राहत में साल में 2 बार जनवरी और जुलाई में बढ़ोतरी होती है।यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब प्रस्तावित 8वें वेतन आयोग के तहत वेतन ढांचे में बदलाव करने के लिए कर्मचारी यूनियनों की ओर से दबाव बढ़ता जा रहा है।

होर्मुज फिर से बंद करते ही ईरान का कोहराम, टैंकर पर अंधाधुंध फायरिंग से दहला समंदर; बाल-बाल बचा क्रू

तेहरान (ए.)। मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव के बीच ईरान ने शनिवार को एक बार फिर दुनिया की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी से बौखलाए ईरान ने अहम समुद्री मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' को फिर से बंद करने का खौफनाक ऐलान कर दिया है। इस घोषणा के तुरंत बाद ही ईरानी सेना ने होर्मुज से गुजर रहे एक कमर्शियल टैंकर पर धावा बोल दिया और जमकर गोलीबारी की। ब्रिटिश सेना के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) की दो गनबोट्स ने इस वारदात को अंजाम दिया है। इस अचानक हुए हमले के बाद समंदर में जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई है।

बिना रेडियो चेतावनी दिए बरसाईं गोलियां, बाल-बाल बचा क्रू

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर (UKMTO) ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि राहत की बात यह है कि टैंकर और उसका पूरा चालक दल सुरक्षित है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से अभी तक जहाज की पहचान और उसकी मंजिल का खुलासा नहीं किया गया है। खौफजदा टैंकर के कप्तान ने बताया कि ओमान से करीब 37 किलोमीटर (23 मील) उत्तर-पूर्व में ईरान की दो गनबोट्स उनके जहाज के बेहद करीब आ गईं और बिना कोई रेडियो चेतावनी दिए अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

ट्रंप की जिद और अमेरिका के प्रतिबंधों का है यह नतीजा

दरअसल, समंदर में मचा यह पूरा बवाल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही भारी तनातनी का नतीजा है। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ईरानी जहाजरानी और बंदरगाहों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों के सीधे जवाब में इस अहम जलमार्ग पर फिर से पाबंदियां लगा रहा है। बता दें कि सात हफ्ते से चल रहे इस युद्ध के दौरान ईरान ने केवल उन्हीं जहाजों को यहां से गुजरने की इजाजत दी थी, जिन्हें वह खुद अनुमति देता है। ईरान का यह नया फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कड़े बयान के ठीक एक दिन बाद आया है, जिसमें ट्रंप ने साफ कहा था कि वे होर्मुज पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी पूरी ताकत के साथ जारी रखेंगे।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा : खाई में गिरी टूरिस्ट वैन, 9 लोगों की मौत; 4 घायल

कोयंबटूर, (आरएनएस)। तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वालपराई पहाड़ी क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। केरल से आई एक टूरिस्ट वैन गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, वैन में कुल 13 लोग सवार थे, जो केरल के मलप्पुरम जिले के निवासी थे। सभी लोग वालपराई घूमने आए थे और वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। वैन जब वालपराई-पोलाची पहाड़ी मार्ग से नीचे उतर रही थी, तभी 13वें हेयरपिन मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद वैन बैरियर से टकराकर गहरी खाई में जा गिरी।हादसा इतना भीषण था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें 7 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। बाद में एक घायल ने पोलाची सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई।घटना के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

जानापाव में बनेगा भव्य और दिव्य श्रीपरशुराम-श्रीकृष्ण लोक : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली के लिए करेंगे मंगल कामना

महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित अनूठी प्रदर्शनी का करेंगे शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'परशुराम प्रकटोत्सव' में होंगे शामिल

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान परशुराम की जन्म स्थली जानापाव में भव्य और दिव्य श्रीपरशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जा रहा है। इसकी लागत 17.41 करोड़ रूपये है। भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, दर्शन और संदेश को आमजन तक पहुंचाने के लिये श्रीपरशुराम-

श्रीकृष्ण लोक एक प्रमुख आध्यात्मिक पर्यटन एवं सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।19 अप्रैल को भगवान परशुराम की पावन जन्मस्थली जानापाव (महू) में आयोजित परशुराम प्रकटोत्सव में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहाँ भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली के लिए मंगल कामना करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जानापाव की महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित अनूठी प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। वे स्थानीय सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में भी सम्मिलित होंगे।संस्कृति विभाग और श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा आयोजित भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के भव्य समारोह में कला और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में विख्यात गायक सवई भट्ट एवं उनके दल द्वारा मनमोहक भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, पंडित विजय शंकर मेहता द्वारा रचित और वीरेंद्र कुमार के निर्देशन में परशुराम नाट्य लीला का सजीव मंचन भी होगा, जो भगवान परशुराम के विराट व्यक्तित्व को उजागर करेगा। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा।भगवान श्रीपरशुराम-श्रीकृष्ण लोक में भगवान श्रीपरशुराम और श्रीकृष्ण की कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की जायेंगी। जानापाव में पत्थर एवं धातु से निर्मित 30 फीट ऊँचा भव्य द्वार निर्मित किया जायेगा। कथा और अन्य धार्मिक आयोजनों के लिये कथा मंच का निर्माण किया जायेगा। लोक के प्रांगण में 4 गजीबो, व्यू पाइंट, लैंड स्केपिंग, पाथ-वे और अन्य विकास कार्य भी किये जायेंगे।

बहू बेगम मकबरा परिसर में दिखा ऑस्ट्रेलिया का इमू, देखने वालों की लगी भीड़

ये पक्षी उड़ान नहीं भर सकता, तो फिर ये अयोध्या कैसे पहुंचा ?

अयोध्या,(ए.)। अयोध्या के ऐतिहासिक बहू बेगम मकबरा परिसर में अचानक एक ऐसा मेहमान नजर आया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। यह मेहमान कोई आम नहीं था, बल्कि ऑस्ट्रेलिया का दुर्लभ पक्षी इमू है। खास बात यह है कि ये पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। ऐसे में सवाल है कि फिर ये अयोध्या पहुंचा कैसे ? जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी लगी उसे देखने लोग और पर्यटक मकबरा परिसर पहुंचने लगे। किसी ने मोबाइल कैमरे में इसे कैद किया, तो कोई इसकी चाल और हाव-भाव को देखकर हैरानी जता रहा था। इस तरह का विदेशी पक्षी दिखना अनोखा अनुभव था। मीडिया रिपोर्ट में वन विभाग के हवाले से बताया गया है कि बहू बेगम मकबरा परिसर में इमू का एक जोड़ा मौजूद है। अयोध्या के डीएफओ ने बताया कि इमू मूलरूप से ऑस्ट्रेलिया का पक्षी है और यह शुतुरमुर्ग की प्रजाति से जुड़ा है।

चारधाम यात्रा के लिए रिकॉर्ड रजिस्ट्रेशन, पहले दिन 18.25 लाख श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

दूहरादून,(ए)। आगामी चार धाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिख रहा है। यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होते ही पहले दिन कुल 18.25 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, जो एक रिकॉर्ड आंकड़ा बताया जा रहा है।

जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हुई, जिसमें पहले ही दिन 2713 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया। यह मैनुअल प्रक्रिया यात्रा के औपचारिक आरंभ से पहले शुरू की गई है, जबकि यात्रा की शुरुआत रविवार से होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न ट्रांजिट पॉइंट्स पर विशेष टीमें तैनात की जा रही हैं, ताकि मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध हो सके। ऑफलाइन पंजीकरण के आंकड़ों के अनुसार

यमनोत्री के लिए 683, गंगोत्री के लिए 690, केदरनाथ के लिए 667 और बद्रीनाथ के लिए 673 श्रद्धालुओं ने पहले दिन रजिस्ट्रेशन कराया। यह संख्या दिखाती है कि चारों धामों के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह बराबर बना हुआ है।वहीं, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी 6 मार्च से लगातार जारी है। अब तक करीब 18.23 लाख श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से अपना पंजीकरण करा चुके हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों आंकड़ों को मिलाकर कुल संख्या 18.25 लाख तक पहुंच गई है, जो इस साल यात्रा के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। जिला प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यातायात, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले पंजीकरण अवश्य कराएं और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। चारधाम यात्रा हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होती है और इस बार शुरुआती आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि 2026 की यात्रा भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह 1996 के मामले में गिरफ्तार, जांच के लिए जम्मू-कश्मीर ले जाया जाएगा

श्रीनगर, (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर में 1996 में दर्ज एक मामले के सिलसिले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी.अधिकारियों ने बताया कि शाह को शुक्रवार शाम पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट ने एनआईए को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड दी, जिससे जांच अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के लिए शाह को जम्मू-कश्मीर ले जाने की इजाजत मिल गई.अधिकारियों ने बताया कि शाह को सोमवार को जम्मू-कश्मीर ले जाया जाएगा और वहां की एक स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

नई दिल्ली में लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न हो पाने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की महिला कार्यकर्ता लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास की ओर निकाले गए विरोध मार्च के दौरान नारे लगाती हुई।

ईरान ने बंद किया हॉर्मुज जलडमरुमध्य..अमेरिका पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

तेहरान,(ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया है कि उन्होंने दुनिया के कई बड़े युद्धों को खत्म कराया है। जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर यह संघर्ष नहीं रुकता, तब करोड़ों लोगों की जान जाती। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने कुल 8 युद्ध खत्म कराए हैं और अगर ईरान-लेबनान को जोड़ने पर यह संख्या 10 तक पहुंचती है।

ट्रंप ने कि अमेरिका ने इजरायल और लेबनान के बीच ऐतिहासिक युद्धविराम कराने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने बताया कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और जल्द ही कोई बड़ा समझौता हो सकता है।होर्मुज को लेकर भी ट्रंप ने कहा कि यह अब पूरी तरह खुला है और व्यापार के लिए सुरक्षित है। यह जलमार्ग दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अमेरिका की नौसेना की मौजूदगी तब तक बनी रहेगी, जब तक ईरान के साथ समझौता पूरी तरह पूरा नहीं होता। वहीं ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नाकेबंदी नहीं खोली गई है, तब हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला नहीं रहेगा।

पुणे हवाई अड्डे पर वायुसेना के विमान की हार्ड लैंडिंग, 11 घंटे बंद रहा रनवे

पुणे(आरएनएस)। पुणे के हवाई अड्डे पर बीती रात भारतीय वायुसेना के एक विमान को हार्ड लैंडिंग करनी पड़ी है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात करीब 10:25 बजे वायुसेना के एक विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आ गई थी। इसके चलते विमान को हार्ड लैंडिंग करनी पड़ी और वह रनवे पर ही फंस गया। इस वजह से करीब 11 घंटे तक हवाई अड्डे पर विमानों का संचालन प्रभावित रहा।रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ड लैंडिंग के बाद विमान में आग लगने की छोटी दुर्घटना हुई, जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। रनवे अवरुद्ध होने के कारण हवाई अड्डे पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। अधिकारियों ने विमानों के लिए एक नोटिस जारी किया और कई आने वाली उड़ानों को गोवा, चेन्नई, सूरत, कोयंबटूर और नवी मुंबई की ओर डायवर्ट किया गया।

दिल्ली समेत 12 राज्यों में अंधड़-बारिश का अलर्ट, पारा 40 डिग्री के पार

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तर और मध्य भारत में गर्मी भीषण होती जा रही है। कई जगह तापमान 40 से 45 डिग्री तक पहुंच गया है। इस बीच शुक्रवार को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बारिश होने के कारण मौसम पलट गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कई राज्यों में अंधड़ के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। दूसरी तरफ मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 21 अप्रैल तक लू चलने अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में शुक्रवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा, जब पारा 41 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर बाद बादल छाने के साथ मौसम बदल गया और शाम को झमाझम बारिश से तापमान 7-10 डिग्री तक गिर गया। राजधानी में आज भी 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने के साथ बूंदाबांदी होने के आसार हैं। अगले 2-3 दिनों में फिर तापमान बढ़ सकता है। इसके अलावा हरियाणा और पंजाब में भी मौसम बिगड़ सकता है।

आईएमडी के अनुसार, राजस्थान में शनिवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि अधिकांश इलाकों में तापमान 1-2 डिग्री बढ़ सकता है। पिछले 24 घंटे में बाड़मेर में सबसे अधिक 42.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसी प्रकार, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी इलाके में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। अगले 3 दिनों में तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इन राज्यों की तरह बिहार में भी अंधड़-बारिश का अनुमान है। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 18-19 अप्रैल को कई जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 2 दिनों तक कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है।

एमपी ई-सेवा' से डिजिटल गवर्नेंस को मिला सशक्त आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सेवा वितरण प्रणाली हुई अधिक जवाबदेह एवं सुव्यवस्थित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' के माध्यम से प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को सशक्त आधार मिला है। इससे नागरिक सेवाएँ अब अधिक सरल, सुगम और सुलभ हुई हैं। डिजिटल तकनीक आज सुशासन की आधारशिला बन चुकी है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नई पहचान स्थापित कर रहा है। अब प्रदेशवासियों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ सहज, त्वरित और पारदर्शी रूप में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से सेवा वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनी है। साथ ही नागरिकों के समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2026 तक 100 प्रतिशत ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर फॉर

एक्सीलेंस द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म नागरिकों, विभागों एवं सेवाओं को एकीकृत डिजिटल इको-सिस्टम में जोड़ते हुए सुशासन को और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

एकीकृत पोर्टल पर सभी सेवाएँ: प्रक्रिया हुई सरल

एमपी ई-सेवा पोर्टल पर विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को एकीकृत कर नागरिकों को बार-बार अलग-अलग पोर्टल पर जाने और दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता समाप्त की गई है। नागरिक अब eseva.mp.gov.in और मोबाइल ऐप के माध्यम से पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस ट्रैकिंग और अनुमोदन जैसी सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र की व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया पेपरलेस और फेसलेस बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है।

समग्र पोर्टल से एकीकरण: ऑटो-वेरिफिकेशन की सुविधा

'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8 अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9 अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। इससे ऑटो-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया गया है। इससे पात्रता निर्धारण स्वत: हो जाता है और अनावश्यक देरी व दोहराव समाप्त होता है। पोर्टल की प्रमुख विशेषता 'ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स' है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं रहती।एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज आगे की सेवाओं में स्वत: उपलब्ध हो जाते हैं। एमपी ई-सेवा पोर्टल को मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है। इसमें बहुभाषीय सुविधा के साथ दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष डिज़ाइन किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिक आसानी से इसका उपयोग कर सकें।

अब तक 2937 स्थानों पर हुई जाँच, 4547 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2937 स्थानों पर जांच की गई, 4547 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 12 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 764 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

अनूपपुर में ट्रांसमिशन लाइनों के समीप निर्माण बना जानलेवा खतरा, ट्रांसको ने चलाया विशेष जागरूकता एवं कार्रवाई अभियान

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) द्वारा अनूपपुर जिले में एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास हो रहे खतरनाक एवं अवैध निर्माणों के विरुद्ध सख्त अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य न केवल ऐसे निर्माणों को हटाना है, बल्कि नागरिकों को यह स्पष्ट रूप से समझाना भी है कि ट्रांसमिशन लाइनों के समीप किया गया निर्माण सीधे जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। नियमानुसार 132 के.वी. ट्रांसमिशन लाइन के दोनों ओर 27 मीटर का क्षेत्र और 220 के वी लाइन में 35 मीटर सुरक्षा कॉरीडोर के रूप में प्रतिबंधित है। इसके भीतर किसी भी प्रकार का निर्माण पूर्णत: वर्जित है। इस क्षेत्र में बने मकान, दुकान या अन्य संरचनाएं इसलिए अत्यंत जोखिमपूर्ण हैं क्योंकि तेज हवा या अन्य कारणों से तारों के झूलने (स्विंग) की स्थिति में कभी भी जानलेवा हादसा हो सकता है।ट्रांसमिशन लाइनों में प्रवाहित विद्युत धारा घरेलू बिजली की तुलना में लगभग 600 से 950 गुना अधिक घातक होती है। ऐसे में इन लाइनों के पास रहना या निर्माण करना, हर समय एक अदृश्य खतरे के साए में रहने जैसा है। अनूपपुर और कोतमा क्षेत्र में अब तक 23 ऐसे निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जो इस प्रतिबंधित क्षेत्र के भीतर आते हैं। इन सभी मामलों में संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि वे स्वयं निर्माण हटाएं, अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्माणों से न केवल रहने वालों की जान जोखिम में है, बल्कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बाधित हो सकती है। एम.पी. ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री आर.एस. पांडे एवं कार्यपालन अभियंता श्री ए.पी.एस. चौहान के निर्देशन में शहडोल टीएलएम टीम द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

रात 12 बजे सिविल अस्पताल पहुंची सीएमएचओ कार्यालय की टीम, इमरजेंसी केस में रिस्पॉन्स टाइम को देखने हुई मॉकड्रिल

भोपाल (निप्र)। आकस्मिक चिकित्सा परिस्थितियों में मरीज को समय पर उपचार मिलने की व्यवस्था देखने के लिए शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात सिविल अस्पताल बैरागढ़ में मॉकड्रिल की गई। ये कार्यवाही बेहद गोपनीय ढंग से की गई। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक सहित अस्पताल के किसी भी स्टाफ को मॉकड्रिल की जानकारी नहीं थी।सीएमएचओ टीम द्वारा उन्हें बताया गया कि एक गंभीर हाईरिस्क गर्भवती महिला अस्पताल लाई जा रही है जिसे तुरंत ऑपरेट किया जाना जरूरी है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा के निर्देश पर मॉक ड्रिल के लिए शुक्रवार की रात 12 बजे निरीक्षण दल अस्पताल पहुंचा था। टीम द्वारा सबसे पहले ड्यूटी डॉक्टर को हाईरिस्क गर्भवती महिला के अस्पताल पहुंचने की जानकारी देकर ऑन कॉल डॉक्टर्स को बुलाने हेतु कहा गया। इस दौरान अस्पताल में मौजूद ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ नर्स को सख्त हिदायत दी गई कि टीम के आने की सूचना अधीक्षक सहित अन्य किसी अस्पताल स्टाफ को नहीं दी जाएगी। ड्यूटी डॉक्टर द्वारा तुरंत ही स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ एवं निश्चेतना विशेषज्ञ को कॉल कर अस्पताल आने हेतु कहा गया। साथ ही ऑपरेशन थिएटर को चालू करवाकर अस्पताल में खून की उपलब्धता देखी गई। लगभग 30 से 40 मिनट में स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना विशेषज्ञ, ओटी इंचार्ज ने अस्पताल पहुंचकर ऑपरेशन की तैयारियां पूरी की। सी-सेक्शन की सभी तैयारियों पूरी होने के बाद सीएमएचओ टीम ने मॉकड्रिल का खुलासा किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि अस्पताल में गंभीर केस के पहुंचने पर कम से कम समय में इलाज देकर जोखिम की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सकता है। इसे देखने के लिए अस्पताल में मॉकड्रिल की गई है। ड्यूटी रोस्टर के सख्ती से पालन करने, रिस्पॉन्स टाइम को मिनिमम करने, ऑन कॉल डॉक्टर्स के अल्टरनेट फोन नंबर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उमरिया जिले की पूजा सिंह ने रची आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी

भोपाल (आरएनएस)। उमरिया जिले के घंघरी ग्राम की पूजा सिंह ने अपनी वस्त्र निर्माण इकाई स्थापित कर आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी रची है। आज उनकी इकाई द्वारा निर्मित वस्त्र प्रदेश के विभिन्न जिलों तक जा रहे हैं। उनकी यह सफलता अन्य महिलाओं के लिये भी प्रेरणा बन रही है। पूजा सिंह ने इस सफलता को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में मिले ऋण की मदद से साकार किया है।सीमित संसाधनों के कारण लंबे समय तक स्वयं का व्यवसाय शुरू करने में असमर्थ रहीं पूजा सिंह को जब मुद्रा योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बैंक में आवेदन किया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें मुद्रा योजना के तहत 8 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस वित्तीय सहयोग से उन्होंने हीरा फैब्रिक नाम से अपनी वस्त्र निर्माण इकाई स्थापित की। आज उनकी यूनिट में स्कूल ड्रेस, शर्ट, पैंट, ट्रैक सूट, टी-शर्ट और लोअर जैसे परिधानों का निर्माण किया जा रहा है। उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति के कारण उन्हें होशंगाबाद, सीधी, मैहर, सतना, कटनी, इटारसी और बुधनी जैसे विभिन्न क्षेत्रों से निरंतर ऑर्डर मिल रहे हैं। पूजा सिंह आज न केवल अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से मजबूत सहारा बनी हैं, बल्कि अपने उद्यम के माध्यम से 8 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। पूजा सिंह के पति धर्मेंद्र सिंह बताते हैं कि यदि सही जानकारी और मार्गदर्शन मिल जाए, तो कोई भी व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

एकात्म पर्व के दूसरे दिन अध्यात्म, पर्यावरण और संस्कृति का एक अनूठा समागम

भोपाल (ए.)। पुण्य सलिला नर्मदा के पावन तट ओंकारेश्वर में आयोजित एकात्म पर्व के दूसरे दिन अध्यात्म, पर्यावरण और संस्कृति का एक अनूठा समागम देखने को मिला। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा आयोजित इस महोत्सव में देश के प्रख्यात संतों और विचारकों ने आदि गुरु शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता पर गहन विमर्श किया। जहाँ एक ओर गुरुवाणी और वेदांत के साझा सूत्रों को तलाशा गया, वहीं दूसरी ओर प्रकृति को स्वयं का ही विस्तार मानकर उसके संरक्षण का संकल्प दोहराया गया। शाम ढलते ही ओड़िसी और भरतनाट्यम की शास्त्रीय मुद्राओं ने शंकर के कालजयी स्तोत्रों को मंच पर जीवंत कर दर्शकों को एकात्म भाव के आनंदमय रस में सराबोर कर दिया। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा 17 से 21 अप्रैल तक चल रहे पंच दिवसीय एकात्म पर्व के दूसरे दिन सिख संप्रदाय पर विशेष सत्र हुआ,जिसमें गुरु ग्रन्थ साहिब से लेकर अद्वैत दर्शन की चर्चा हुई।

हमने सीवर सफाई के काम को चुनौती के रुप में स्वीकार किया है और हम बदलाव लाकर दिखाएंगे : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आहवान पर 15 ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार से सीवर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। क्षेत्र में सीवर समस्या को लेकर विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से परेशानी बनी हुई थी। सीवर समस्या को दूर करने के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने खुद पहल करते हुए 3 करोड़ 15 लाख रुपए कीमत की सीवर सकर मशीन विधानसभा क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराई है। उप नगर ग्वालियर के कांच मिल क्षेत्र से इस मशीन ने शनिवार से सीवर लाइनों की सफाई करना शुरू कर दिया।

विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर सहित मंडल के 09 प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क जलसेवा

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में गर्मी के मौसम में यात्रियों को यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से बचाव हेतु पीने का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भोपाल मंडल द्वारा सभी स्टेशनों पर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में एनजीओ व स्वयंसेवी संस्था द्वारा विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई

एवं हरदा जैसे मंडल के 09 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को पानी पिलाने के कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में स्वमं सेवक सेवाभाव से यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य कर रहे है। जिसमे स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल प्राप्त हो सके।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्री सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है और यह प्रयास यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने हेतु एक अभीष्ट कदम है। इस अतिरिक्त पेय जल की व्यवस्था से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को भीषण गर्मी में राहत मिला रहा है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर का सख्त रुखः लापरवाही पर एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

भोपाल (ए.)। गोविंदपुरा क्षेत्र के विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्ड 68 में 1.37 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्य में देरी और अनियमितताओं पर नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने और टेंडर निरस्त करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 68 अयोध्या नगर में परशुराम चौराहे से जोन कार्यालय मंगल भवन तक पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य का भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 26 लाख रुपए है। इस दौरान उन्होंने स्थानीय रहवासियों और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए ठेकेदार मेसर्स वैभव सक्सेना को निर्माण कार्य में लापरवाही पर कमिश्नर से शिकायत और टेंडर रद्द करने के आदेश मौजूद अधिकारियों को दिए।

भोपाल में तालाब में डूबने से नाबालिग की मौत, 22 घंटे बाद मिला शव, दोस्तों के साथ नहाने गया था

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के छोटे तालाब में शुक्रवार को एक 15 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। घटना के करीब 22 घंटे बाद शनिवार सुबह उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान धीरज सोनी पुत्र स्व. विनोद सोनी, निवासी इतवारा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे काली घाट मंदिर के पास छोटे तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और फिर दिखाई नहीं दिया। घटना के बाद उसके साथ गए दोस्तों ने घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। परिजनों की सूचना पर तलैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नगर निगम के गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू की गई। शुक्रवार शाम को अंधेरा होने के कारण खोज अभियान रोकना पड़ा। शनिवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसके बाद सुबह करीब 11 बजे किशोर का शव बरामद कर लिया गया। शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

भोपाल में शिक्षकों का प्रदर्शन, टीईटी अनिवार्यता का विरोध, मांगे पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

भोपाल (निप्र) । राजधानी भोपाल में शनिवार को अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशभर के शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। 'मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा' के तहत भेल स्थित दशहरा मैदान में आयोजित इस प्रदर्शन में अलग-अलग जिलों से आए करीब 50 हजार से अधिक शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने एमपी नगर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया।संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लेती है, तो जून महीने में और बड़े आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी। संघ के अध्यक्ष भरत पटेल ने इसे लेकर सरकार को चेतावनी भी दी। मोर्चा के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि यदि सरकार परीक्षा आयोजित करना चाहती है, तो शिक्षकों को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए और उन्हें जनगणना जैसे अतिरिक्त कार्यों में न उलझाया जाए।

साधना सप्ताह में मप्र को अधिकतम पाठ्यक्रम पूरा करने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

भोपाल (आरएनएस)। साधना सप्ताह में मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभाग ने आईगाट पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूर्ण करने के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा एवं प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया है। विभाग की इस उपलब्धि पर अब 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा राजन पुरस्कार ग्रहण करेंगे।जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने शनिवार को बताया कि भारत सरकार द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों में ज्ञान, कौशल और क्षमता विकास को लेकर मिशन कर्मयोगी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत देश के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव भोपाल में बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा

गौरव, आस्था और सामाजिक एकता का महापर्व चित्रगुप्त प्रकटोत्सव : विश्वास सारंग

- समाज के सभी संगठन उत्साह उमंग से भाग लें : अजय श्रीवास्तव नीलू
- कायस्थ बंधु अपना ही आयोजन समझकर भागीदारी दें : मे. ज. श्याम श्रीवास्तव

भोपाल। भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव के अवसर पर 23 अप्रैल 2026 को राजधानी भोपाल में आस्था, उत्साह और सामाजिक एकता का भव्य संगम देखने को मिलेगा। इस दिन शाम 5 बजे जवाहर चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर परिसर में ही संपन्न होगी।आयोजन समिति के अनुसार शोभायात्रा जवाहर चौक से प्रारंभ होकर काटजू हॉस्पिटल, रंगमहल चौराहा, टी.टी. नगर, न्यू मार्केट और रोशनपुरा होते हुए जी.टी.बी. कॉम्प्लेक्स तक जाएगी और फिर वापस चित्रगुप्त मंदिर, जवाहर चौक पर समापन होगा। पूरे मार्ग में आकर्षक सजावट, लाइट-साउंड और भव्य व्यवस्थाएं की जाएंगी, जिससे यह आयोजन शहर का केंद्र बिंदु बन जाएगा। प्रकटोत्सव को लेकर राजधानी में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कायस्थ बंधुओं को सामाजिक संगठनों के प्रमुखों को संबोधित करते हुए इसे 'गौरव, आस्था और सामाजिक एकता का महापर्व' बताया। मंत्री सारंग ने कहा, 'चित्रगुप्त भगवान का प्रकटोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और एकजुट करने का सशक्त अवसर है। कायस्थ समाज के चहेते अजय श्रीवास्तव नीलू ने कहा कि सभी को एकजुटता का परिचय देते हुए शोभा यात्रा को सफल बनाये। कायस्थ समाज जवाहर चौक मंदिर के अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने आव्हान किया कि समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारियों होशंगाबाद रोड, बीएचईएल एवं शहर के सभी चित्रांश बंधुओं को इस आयोजन का अपना स्वयं मानकर बढ़-चढ़कर भाग लें।

बैठक में संजीव श्रीवास्तव संजू संयोजक शोभा यात्रा समिति ने यात्रा का रूट बताया और कहा भगवान चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव मनाकर इसे ऐतिहासिक और यादगार बनाएं। बैठक में मुख्य रूप से अजय श्रीवास्तव नीलू, मेजर जनरल श्यामल श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, राजेश नारायण श्रीवास्तव (राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद) उदय श्रीवास्तव, पंकज कुलश्रेष्ठ, बृजेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अभय प्रधान (प्रवक्ता), आशीष श्रीवास्तव, वेद आशीष श्रीवास्तव, शैलेन्द्र निगम, चंद्रेश सक्सेना, सुम्मी विश्वनाथ भटनागर, अजय निगम, सुनील श्रीवास्तव एडवोकेट, विभा श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, डी के श्रीवास्तव, एम के भटनागर, महेंद्र श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, मीना अरुण श्रीवास्तव, सुधीर सक्सेना, उषा सुधीर श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव, साक्षी सक्सेना, सुनील श्रीवास्तव एडवोकेट, सौरभ कुलश्रेष्ठ , आलोक श्रीवास्तव, रूपाली श्रीवास्तव, विवाह श्रीवास्तव, राजेश नारायण श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, पंकज सक्सेना, राजीव सक्सेना, चित्रांश दीप, रूपाली खरे, राशि सक्सेना, प्रतिभा कुलश्रेष्ठ सहित भोपाल के सभी संगठनों के लोग उपस्थित हुए।

रेलवे स्कूल इटारसी की छात्रा शुभी सिंगारे का राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु चयन

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत संचालित पश्चिम मध्य रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न्यू यार्ड, इटारसी की कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी शुभी सिंगारे ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्राप्त किया है। छात्रा शुभी सिंगारे, पिता कपिल सिंगारे, का चयन School Games Federation of India द्वारा आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-17 बालिका वर्ग) के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता दिनांक 29 अप्रैल से 3 मई 2026 तक रोहतक (हरियाणा) में आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व खिलाड़ियों की तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु प्री-नेशनल कोचिंग कैंप का आयोजन दिनांक 22 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक रायसेन में किया जाएगा, जिसमें शुभी सिंगारे भी सहभागिता करेंगी। विद्यालय के प्राचार्य (प्रभारी) संजय देशमुख ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर छात्रा को हार्दिक बधाई एवं शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे रेलवे परिवार के लिए गर्व का विषय है।

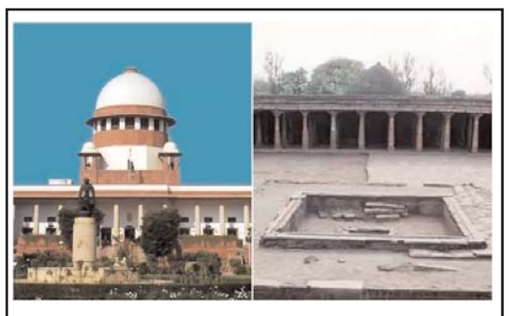

भोजशाला विवाद : यहां सर्वे रिपोर्ट पर बहस तेज, कोर्ट ने सभी पक्षों को दिया अवसर; एएसआई रिपोर्ट के बाद बढ़ी हलचल

इंदौर (ए.)। भोजशाला मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई जिसमें आवेदक अंतर सिंह व अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने कहा कि भोजशाला परिसर का उपयोग हिंदू और मुस्लिम समुदाय अपनी प्रार्थना पद्धति के लिए करते हैं। बसंत पंचमी जब शुक्रवार को आती है तो टकराव जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। भविष्य में इस तरह की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए उच्च स्तरीय आयोग बने या फिर कोई नियम तय हो। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने से जुड़ी है।

एएसआई ने 98 दिन तक भोजशाला का सर्वे किया था

उधर कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील से भी कहा कि वे भी अपना पक्ष रखने के लिए स्वतंत्र हैं। अब अगली सुनवाई को भी याचिकाकर्ता अपना पक्ष रखेंगे।

नीमच में इंसानियत शर्मसार, छत पर मरणासन्न हालत में मिली महिला; भयावह स्थिति देख प्रशासन भी हो गया सन्न

नीमच (ए.)। नीमच के इंदिरा नगर में एक महिला को अमानवीय हालात में घर की छत पर मरणासन्न अवस्था में पाया गया। चार-पांच साल से अलग-थलग रह रही महिला की हालत देख प्रशासन भी हैरान रह गया।

नीमच के इंदिरा नगर से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। भगवानपुरा रोड स्थित एक घर की छत पर 40 वर्षीय महिला सीमा सोनी मरणासन्न हालत में मिली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने देखा कि महिला अर्धनग्न अवस्था में, भीषण गर्मी में एक टूटी खाट पर पड़ी थी। हालत इतनी दयनीय थी कि वह कंकाल जैसी दिख रही थी।

चार साल से नहीं देखा था किसी ने

पड़ोसियों का कहना है कि सीमा पिछले चार-पांच वर्षों से घर से बाहर नहीं निकली थी। लोगों को लगा कि वह शायद कहीं चली गई है, लेकिन वायरल वीडियो ने घर की भयावह सच्चाई उजागर कर दी। टीम के पहुंचते ही महिला ने दबी आवाज में सिर्फ 'खाना' मांगा, जिसे सुनकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

पति का तर्क, प्रशासन की सख्ती

पति अजीत सोनी ने दावा किया कि पत्नी डिप्रेशन में है और घर में निर्माण कार्य के चलते उसे छत पर रखा गया था। हालांकि, प्रशासन पति के दावों से संतुष्ट नहीं है। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी दीपिका नामदेव ने बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है, दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसियों का कहना है कि सीमा पिछले चार-पांच वर्षों से घर से बाहर नहीं निकली थी।

पटेहरा तालाब में बड़ा हादसा, नहाने गई चार किशोरियां डूबीं; दो की दर्दनाक मौत से गांव में शोक की लहर

मैहर (ए.)। मैहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पटेहरा बीड़ी बस्ती में रविवार को एक हृदयविदारक हादसा हो गया। यहां स्थित पटेहरा तालाब में नहाने गई चार नाबालिग किशोरियां अचानक गहरे पानी में डूब गईं। इस दर्दनाक घटना में दो किशोरियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को स्थानीय लोगों की तत्परता से सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

कैसे हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, चारों किशोरियां दोपहर के समय तालाब में नहाने के लिए पहुंची थीं। नहाने के दौरान अचानक एक किशोरी का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के प्रयास में बाकी तीनों किशोरियां भी गहराई की ओर बढ़ गईं, लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण सभी डूबने लगीं। कुछ ही क्षणों में स्थिति गंभीर हो गई और वहां अफरा-तफरी मच गई।

तालाब के आसपास मौजूद ग्रामीणों ने किशोरियों को डूबता देख तुरंत पानी में छलांग लगा दी और बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दो किशोरियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे उनकी जान बच सकी। हालांकि, अन्य दो किशोरियां गहरे पानी में चली गईं और उन्हें बचाया नहीं जा सका।

पुलिस और रेस्क्यू टीम की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। सर्च ऑपरेशन चलाकर काफी प्रयासों के बाद दोनों किशोरियों के शव तालाब से बाहर निकाले गए। मृतकों में एक की पहचान पूनम चौधरी के रूप में हुई है, जबकि दूसरी किशोरी की पहचान अंचल चौधरी के रूप में हुई है पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद मृतक किशोरियों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और हर कोई इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब में सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। न तो वहां चेतावनी बोर्ड लगे हैं और न ही किसी प्रकार की निगरानी की व्यवस्था है, जिससे इस तरह की घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है।

खंडवा में प्रेम-प्रसंग बनी खून की वजह : सड़क हादसे की आड़ में रची गई हत्या की साजिश; आरोपी भाजपा नेता गिरफ्तार

खंडवा (ए.)। खंडवा में एक तरफा प्रेम-प्रसंग में कथित भाजपा नेता ने अपनी प्रेमिका सहित उसके पूरे परिवार को जान से मारकर इसे हादसा दिखाने की कोशिश की। दो कारों के बीच हुई टक्कर की इस साजिश में बलेनो कार सवार युवती की मां और एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई थी। तो वहीं, युवती और उसके दूसरे भाई सहित एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका इलाज फिलहाल जिला अस्पताल में जारी है। अब घटना के दो दिन बाद मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने इस साजिश का पर्दाफाश कर दिया। आरोपी भाजपा नेता पर अपनी थार कार से जानबूझकर दो बार टक्कर मार कर, युवती के परिवार को जान से मारने की कोशिश और दो लोगों की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पहले इस खौफनाक साजिश को हादसा दिखाने की कोशिश की थी। लेकिन पुलिस की जांच में खौफनाक साजिश उजागर हो गई है।

दरअसल यह पूरी घटना गुरुवार की है, जब

बलेनो कार में सवार सौरभ अपनी मां सुमन बाई, भाई-बहन और साले के साथ मूंदी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक ब्लैक थार कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सौरभ और उनकी मां सुमन बाई की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में कार में सवार सारिका, रविंद्र राठौर और रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। अभी इलाज जारी है।

जांच में खुला प्रेम-प्रसंग का राज

हादसे की पुलिस जांच के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि, थार वाहन का चालक सनावद निवासी लवकुश है, जोकि भाजपा से जुड़ा सक्रिय नेता है। लगभग 45 वर्षीय लवकुश शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। लवकुश का घायल हुई युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लेकिन युवती की 21 अप्रैल को किसी अन्य जगह शादी तय हो चुकी थी। इसी बात से नाराज आरोपी ने युवती के परिवार को ही रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रच डाली। जब युवती का परिवार शादी की खरीदारी करने जा रहा था, तब सामने से आकर उनकी कार को एक नही बल्कि दो-दो बार जोरदार टक्कर मार दी। शुरुआत में इसे हादसा माना गया जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, तो वहीं तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए थे । हालांकि जांच के दौरान हादसे के दो दिन बाद मामले का खुलासा हो गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है ।

व्यापार समाचार

भारत बना दुनिया का भरोसेमंद निवेश ठिकाना: सेबी प्रमुख का दावा- वैश्विक अनिश्चितताओं में भी पूंजी बाजार मजबूत

नई दिल्ली ()। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पूंजी बाजार को स्थिर तथा भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जा रहा है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर एक स्थिर पूंजी केंद्र के रूप में उभर रहा है।

देश का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 4.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों ने इस धारणा को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने इक्विटी और ऋण बाजारों के जरिए कुल 154 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।

क्या कहते हैं आरबीआई के आंकड़ें

वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। आरबीआई के मुताबिक,

2025-26 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो बाजार की मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की परिसंपत्तियां करीब 780 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का आकार भी बढ़कर करीब 650 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

मुकेश अंबानी को पछाड़ गौतम अडानी ने फिर किया बड़ा धमाका, बने एशिया के 'किंग', जानें अब कितनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली (आरएनएस)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक बार फिर व्यापार जगत में अपनी बादशाहत कायम कर ली है। संपत्ति के मामले में उन्होंने न केवल भारत में, बल्कि पूरे एशिया में नंबर वन का ताज अपने नाम कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़ दिया है और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। इस छलांग के साथ ही गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ बढ़कर 92.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट: 2026 की शुरुआत में शिपमेंट 3% घटा, छह साल का सबसे कमजोर प्रदर्शन; क्या है कारण?

नई दिल्ली (ए.)। जनवरी से मार्च 2026 तक भारत के स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के पहले तीन महीनों के दौरान भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 3 फीसदी की गिरावट आई। ये पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी, कंपनियों द्वारा कीमतें बढ़ाना और कमजोर उपभोक्ता मांग इन तीनों कारकों ने बाजार पर दबाव डाला। बढ़ते दामों के कारण खुदरा बिक्री पर असर पड़ा, जबकि लॉन्च गतिविधियां अधिक होने के बावजूद बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं आई।

15,000 रुपये से कम वाले फोन की बिक्री में सबसे अधिक कमी आई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के निदेशक तरुण पाठक ने कहा कि लगातार तीन तिमाहियों में स्मार्टफोन महंगे हुए हैं और उपभोक्ता अपने फोन बदलने का समय टाल रहे हैं। ऐसे में निकट भविष्य में भी बाजार पर दबाव बना रह सकता है। इस साल दूसरी तिमाही में शिपमेंट दहाई अंक तक गिर सकता है, क्योंकि कीमतों में तेज वृद्धि और सस्ते स्मार्टफोन की मांग कमजोर बनी हुई है। वर्ष 2026 के लिए लगभग 10 फीसदी गिरावट का अनुमान है।

वीवो 21% मार्केट शेयर के साथ पहले स्थान पर।

सैमसंग दूसरे स्थान पर, सीरीज-ए और गैलेक्सी S26 की मजबूत मांग।

ओप्पो 14% हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर, टॉप-5 में सबसे तेज बढ़त।

शाओमी चौथे स्थान पर, 10,000-20,000 रुपये सेगमेंट में सबसे मजबूत।

एप्पल ने 9% बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

नथिंग 47% वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड।

45,000 रुपये से अधिक के प्रीमियम सेगमेंट में गूगल 39% वृद्धि के साथ आगे।

अमेरिकी स्मार्टफोन की 40% आपूर्ति भारत से

भारत ने अमेरिका की स्मार्टफोन आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण जगह बना ली है। मैकेंजी एंड कंपनी के मुताबिक, भारत अब अमेरिका की लगभग 40 फीसदी मांग पूरी कर रहा है। पहले इस पर चीन का कब्जा था। यह उछाल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में बढ़ती ताकत का प्रतीक है।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

- भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता के असर से सेंसेक्स और निफ्टी में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया

मुंबई (ए.)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया।

LPG: 2030 तक सड़कों से हटेंगे एलपीजी गैस टैंकर, ? 12500 करोड़ के निवेश से सरकार बिछाएगी 2500 किमी लंबी पाइपलाइन

नई दिल्ली (ए.)। घरों और कमर्शियल उपयोग के लिए एलपीजी गैस की सप्लाई को अब और अधिक सुरक्षित, सस्ता और भरोसेमंद बनाने की तैयारी हो रही है। देश के ऑयल एंड गैस रेगुलेटर, 'पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड' (पीएनजीआरबी) ने बड़े पैमाने पर एलपीजी पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की एक अहम पहल की है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और साल 2030 तक सड़क मार्ग से होने वाले थोक एलपीजी परिवहन को पूरी तरह से खत्म करना है।

2,500 करोड़ रुपये का विशाल निवेश और चार प्रमुख रूट्स

इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत देश भर में कुल 9 पाइपलाइन परियोजनाओं की पहचान की गई है। वर्तमान में पीएनजीआरबी लगभग 2,500 किलोमीटर लंबी चार प्रमुख पाइपलाइनों के लिए बोली प्रक्रिया पूरी करने के अंतिम चरण में है। जिन चार प्रमुख रूट्स पर काम चल रहा है, उनमें चेरलापल्ली-नागपुर, शिक्रापुर-हुबली-गोवा, पारादीप-रायपुर और झांसी-सितारगंज पाइपलाइन शामिल हैं। रेगुलेटर के अनुसार, इन परियोजनाओं में करीब 12,500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने का अनुमान है।

आम आदमी और अर्थव्यवस्था के लिए इसके मायने

वर्तमान में रिफाइनरियों और आयात टर्मिनलों से बॉटलिंग प्लांट तक गैस पहुंचाने के लिए भारी संख्या में सड़क टैंकरों का इस्तेमाल होता है। पाइपलाइन बिछने से यह थोक परिवहन सीधे तौर पर पाइपलाइन व्यवस्था में शिफ्ट हो जाएगा। पीएनजीआरबी का कहना है कि यह कदम अन्य परिवहन साधनों के मुकाबले अधिक किफायती साबित होगा। इसके अलावा, संकट के समय में ये पाइपलाइनें 'स्टोरेज' के रूप में भी काम करेंगी, जिससे देश में गैस सप्लाई की कोई कमी नहीं होगी।

पर्यावरण संरक्षण और हादसों में कमी

सड़कों से भारी गैस टैंकरों के हटने से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम काफी हद तक कम हो जाएगा, जिससे सुरक्षित सप्लाई सुनिश्चित होगी। ट्रांजिट के दौरान गैस के नुकसान में कमी आएगी और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटने से भारत के जलवायु लक्ष्यों को भी समर्थन मिलेगा।

इस पहल के संदर्भ में पीएनजीआरबी ने साफ किया है, "कुकिंग और कमर्शियल उपयोग में भारत की एलपीजी खपत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बंदरगाहों और रिफाइनरियों को बॉटलिंग प्लांट से कुशलतापूर्वक जोड़ने की आवश्यकता है। हालांकि परिवहन के लिए पाइपलाइन पसंदीदा साधन हैं, फिर भी एक महत्वपूर्ण मात्रा अभी भी थोक टैंकरों द्वारा ले जाई जाती है"।

सरकार की घोषणा से जुड़े मुख्य बिंदू

लक्ष्य: 2030 तक सड़क मार्ग से थोक एलपीजी परिवहन को पूरी तरह खत्म करना।

प्रोजेक्ट की लागतलगभग 12,500 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश।

दायरा: शुरुआत में 2,500 किलोमीटर लंबी 4 प्रमुख पाइपलाइन का विकास।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अर्थव्यवस्था की चौतरफा समस्याएं

अर्थव्यवस्था का संकट बढ़ रहा है। दरअसल, जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं भारत सरकार को मालूम ना रही हों।चिंता की कोई बात ना होने जैसे प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के आश्वासनों के बावजूद हकीकत यही है कि खुद केंद्र गहरी चिंता में है। इसका प्रमाण वित्त मंत्रालय की ताज़ा मासिक समीक्षा रिपोर्ट है। इसमें अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद जोखिमों का साफ-साफ जिक्र किया गया है। स्वीकार किया गया है कि इस महीने आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। हालांकि इसके केवल घरेलू कारण भी हैं, मगर खासकर पश्चिम एशिया में युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं से समस्या बेहद गहरी हो गई है। इस कारण सबसे बड़ी चिंता खाद्य पदार्थों की महंगाई को लेकर खड़ी हुई है। बढ़ती कीमतें ग्रामीण और शहरी गरीब वर्ग पर असमान असर डाल रही हैं।ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ रहा है। विदेशी निवेश में सुस्ती से रुपये पर दबाव है, जिससे वित्तीय बाज़ारों में अस्थिरता का खतरा बढ़ा है। यानी समस्या चौतरफा है। जब जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं सरकार को मालूम ना रही हों। खुद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इनको लेकर आगाह करते रहे हैं, जिन्होंने ताजा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है। मसलन 2025 में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र का अनियंत्रित विकास वास्तविक अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। पिछले वर्ष उन्होंने कहा कि भारत में आईपीओ प्रवर्तक निवेशकों के लिए निकास का साधन बन गए हैं।

यानी ये पूंनिवेश का साधन नहीं रहे। इस वर्ष जनवरी में पेश आर्थिक सर्वे में कहा गया कि भारतीय निक्षेत्र जोखिम उठाने को तैयार नहीं है और वह अनुसंधान एवं विकास के इंजन को आगे बढ़ाने में विफल रहा है। इसके बावजूद निक्षेत्र एवं वित्तीय आर्थिकी को केंद्र में रखते हुए ऊंची जीडीपी वृद्धि दर को भारतीय अर्थव्यवस्था की खास पहचान बनाया गया। मगर ये खंभे रेत पर खड़े हैं। अब चूंकि परिस्थितियां प्रतिकूल हो गई हैं, तो ये डोलते नजर आ रहे हैं। मासिक समीक्षा रिपोर्ट का सार-संक्षेप यही है।

(विचार-मंथन) महिला आरक्षण संशोधन बिल में अपने ही बिछाए जाल में फंसी सरकार?

सनत जैन/

महिला आरक्षण को लेकर हालिया राजनीतिक घटनाक्रम ने भारतीय लोकतंत्र के कई अहम सवालों को केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया है। 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के नाम से पहचान मिली। इस बिल को लागू करने में सरकार ने सुनयोजित रूप से देरी की। संसद से बिल पास होने के बाद सरकार ने अधिसूचना तक जारी नहीं की थी। बिल में प्रावधान था की जनगणना और परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा। पिछले 3 साल में सरकार ने इसका कोई प्रयास नहीं किया। पांच राज्यों के जब चुनाव चल रहे, तब अचानक महिला आरक्षण बिल की आड़ में परिसीमन के अधिकार सरकार अपने हाथ में लेना चाह रही थी। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। सरकार ने विपक्ष को महिला बिल की आड़ में भ्रमित करने का प्रयास किया था। विपक्ष इसको समझ गया। पिछले 12 साल में पहली बार विपक्ष एकजुट हुआ। सरकार द्वारा अचानक संशोधन बिल लाकर उसे पास कराने की कोशिश की। सरकार को ओवर कॉन्फिडेंस था। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभी मतदान होना शेष हैं, ऐसे समय विपक्ष चाह कर भी इसका विरोध नहीं कर पाएगा। सरकार की यह मंशा पूरी नहीं हुई, उल्टा सरकार बुरी तरह से घिर गई है। लोकसभा में आवश्यक बहुमत के अभाव में बिल का अटक जाना, सरकार की रणनीति और भविष्य की राजनीति को लेकर सरकार ने बहुत बड़ा जोखिम उठा लिया है। सरकार ने 2023 मे जब इस विधेयक को पारित कराया था, उसमें प्रावधान था। आरक्षण लागू करने के पूर्व जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। पिछले तीन वर्षों में सरकार ने जनगणना का काम शुरू नहीं किया। जब तक जनगणना नहीं होगी तब तक परिसीमन को लेकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकती है। जब मूल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हुई, तब उसमें संशोधन लाना ही नियमानुसार नही था। यह स्वाभाविक था, विपक्ष इस पर आपत्ति दर्ज कराए। सरकार क्या स्वयं चाहती थी कि महिला आरक्षण लागू नहीं किया जाए। इसका मुख्य कारण विपक्षी दलों द्वारा जातिगत जनगणना की मांग कर जाति के आधार पर महिला आरक्षण की मांग करना। संसद में हुई बहस ने एक महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है, वो यह कि विपक्ष महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है। विपक्ष आरक्षण की शर्तों और प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष की मांग थी, सरकार वर्तमान सांसदों की संख्या के आधार पर ही महिला आरक्षण लागू करे। विपक्ष महिला आरक्षण अनिश्चित काल तक टालने का शुरू से ही विरोध करता रहा है। इसके विपरीत सरकार परिसीमन को अनिवार्य शर्त बनाकर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहती है। जिससे संदेह पैदा हुआ, सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण बिल से जोड़कर तीन संशोधन विधेयक लेकर आई। जिसके कारण विपक्ष काफी आक्रामक हो गया। मतदान मे सरकार को दो-तिहाई बहुमत न मिलना इस बात का संकेत है, संसद में सरकार और विपक्ष के बीच में सहमति का अभाव है। 298 मत समर्थन में और 230 मत विरोध में पड़ना बताता है, मुद्दा केवल संख्या का नहीं, बल्कि विश्वास और पारदर्शिता का भी है। पिछले एक दशक में शायद ही ऐसा अवसर आया हो, जब विपक्ष इतनी एक जुटता के साथ सरकार को चुनौती देता हुआ नजर आया हो। यह घटनाक्रम महिला आरक्षण विधेयक तक सीमित नहीं है। भविष्य में इसके दूरगामी राजनीतिक परिणाम भी होंगे। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता के कारण जन असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अस्पष्टता और जल्दबाजी से लिया गया निर्णय भविष्य में सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है। सत्ता पक्ष इसे विपक्ष की नकारात्मक राजनीति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। सच्चाई यह है, लोकतंत्र में कानून निर्माण केवल बहुमत का खेल नहीं है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच में सहमति और विश्वास जरूरी होता है। सरकार हमेशा एक बात को भूल जाती है। सरकार से ज्यादा समर्थन विपक्ष के पास होता है। विपक्ष हमेशा बिखरा हुआ होता है, जिसके कारण वह सत्ता के सिंहासन पर नहीं पहुंच पाता है। सरकार बिना विपक्ष के सहयोग के आगे नहीं बढ़ सकती है। इस बात का ध्यान भी सरकार को रखना होता है। सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध है। उसे पारदर्शी तरीके से जनगणना, परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रिया को स्पष्ट और तय समय सीमा में लागू करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों में यह मुद्दा निश्चित रूप से राजनीतिक बहस का केंद्र बनेगा, खासकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, सरकार और विपक्ष को मिलकर इस ऐतिहासिक पहल को वास्तविकता में बदलना होगा। महिला आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ चुका है। इसे दबा पाना किसी भी राजनीतिक दल के लिए संभव नहीं है। यह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का मामला है। इस टकराव का समाधान सहमति और गंभीरता से निकाला जाना ही देश हित में होगा।

दवाओं की बढ़ती लत-स्वास्थ्य के लिए कितनी घातक?

मुकेश तिवारी

ऐसे लाखों लोग है, जो डॉक्टर वही अच्छा, जो ज्यादा महंगी ज्यादा दवाईयां लिखें ऐसे व्यक्ति मानते हैं कि मंहगी दवाई सस्ती दवाई की तुलना में ज्यादा असरदार होती है। ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जो मामूली शारीरिक व्याधि उठाने पर डाक्टर से सलाह लिए बिना ही दवा की दुकान से व्याधि के उपचार के लिए प्रचारित की जाने वाली पेटेंट दवाएं खरीद कर बिना किसी हिचकिचाहट के उसका सेवन कर लेते हैं।

वे यह कतई महसूस नहीं करते कि गलत ढंग से अग्रेजी दवाओं के उपयोग से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और वे उस रोग के उपचार के बजाय नये रोग को जन्म दे सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को बुखार आये तो यह जरूरी नही कि वह बुखार मलेरिया ही हो और मलेरिया की दवाई खाना शुरू कर दी जाये, संभव है कि यह वायरल जनित बुखार हो, जिसके लिए मलेरिया की दवाई के सेवन की नहीं बल्कि अन्य गोली लेने पडती है। वायरल बुखार होने पर रोगी को बिना डाक्टर की सलाह के मलेरिया की दवाई देने से रोगी के शरीर पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। चौकाने वाली बात है कि दवा कंपनी से मिलने वाले मोटे कमीशन के चक्कर में चिकित्सक अधिक मंहगी दवाईयां लिख रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम–प्रतिनिधित्व से राष्ट्रनिर्माण तक

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: - यह केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत संस्कृति का उद्घोष रहा है। लेकिन पूजा और सम्मान से आगे बढ़कर, आज का भारत अधिकार, अस्तित्व और नेतृत्व की बात कर रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक वैधानिक प्रलेख नहीं है, बल्कि सदियों से बंद उन द्वारों की कुंहै जिसके पीछे भारत की आधी आबादी का सामर्थ्य अवरुद्ध था। यह अधिनियम किसी पर किया गया उपकार नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक अन्याय का परिमार्जन है जो कालचक्र ने महिलाओं के साथ किया। आज महिलाएं आरक्षण इसलिए नहीं मांग रही हैं कि वे निर्बल हैं; वे इसलिए मांग रही हैं क्योंकि राष्ट्र की नीति-निर्धारण की सर्वोच्च आसंदी पर उनका स्थान रिक्त है। भारत का लोकतंत्र केवल निर्वाचन की व्यवस्था मात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक अनुबंध है, जिसकी पूर्णता महिलाओं की निर्णायक भागीदारी के बिना असंभव है।

आज जब हम इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाने तत्पर हो रहे हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह अधिनियम दशकों से अधर में लटका हुआ था। पूर्व की सरकारों में इच्छाशक्ति का अभाव था, जिसके कारण नारी शक्ति का यह अधिकार फाइलों में दबा रहा। यह अधिनियम केवल और केवल देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अदम्य इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने अमृत काल के इस दौर में यह सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए नारी शक्ति केवल एक मतदाता समूह नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। मोदी ने अपनी माता और बहनों के प्रति जो संवेदनशीलता दिखाई है, वह अद्वितीय है। चाहे वह रसोई के धुएँ से मुक्ति दिलाने वाली उज्ज्वला योजना हो, घर-घर शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान देने वाला स्वच्छ भारत मिशन हो, या फिर हर घर जल पहुँचाकर माताओं के जीवन को सुगम बनाने का संकल्प—प्रधानमंत्री ने सदैव एक हितेभाई और पुत्र की भांति देश की महिलाओं की मूलभूत समस्याओं को समझा और उन्हें हल किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके इसी अटूट समर्पण की अगली कड़ी है, जो महिलाओं को लाभार्थी से उठाकर नेतृत्वकर्ता की श्रेणी में खड़ा करती है।

जब हम सामर्थ्य की बात करते हैं, तो अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की बेटियों ने वह कर दिखाया है जिसकी कल्पना भी कठिन थी। रितु करिधाल जी, जिन्हें भारत की रॉकेट वुमन कहा जाता है, उनकी कहानी लखनऊ की तंग गलियों से शुरू होकर मंगल ग्रह की कक्षाओं तक पहुँचती है। मंगलयान मिशन में डिप्टी ऑपरेशन्स डायरेक्टर के रूप में उन्होंने वह जटिल गणित और गणनाएँ कीं, जिन्होंने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। एक माँ और एक वैज्ञानिक के दायित्वों के बीच संतुलन बिठाते हुए रितु ने सिद्ध किया कि महिला का प्रबंधन कौशल ब्रह्माण्ड की जटिलताओं को भी सुलझा सकता है।

वहीं, मुथैया वनिता जी का नाम भारत के चंद्रयान-2 मिशन के साथ स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे इसरो के इतिहास में किसी अंतरग्रहीय मिशन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनीं। एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियर के रूप में उनका अनुभव और डेटा को समझने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भारत के चंद्र अभियान को एक नई ऊँचाई दी। वनिता की सफलता यह संदेश देती है कि जब जटिल इंजीनियरिंग और तकनीक की बात आती है, तो भारत की बेटियाँ केवल सहभागी नहीं, बल्कि सर्वोपरि मार्गदर्शक हैं। इन दोनों वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि अब आसमान भी भारत की बेटियों की सीमा नहीं है। परंतु मातृशक्ति की यह उड़ान केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। जब हम वैश्विक क्षितिज पर देखते हैं, तो कल्पना चावला का नाम हमारे सामने आता है, जिन्होंने करनाल की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष के तारों तक पहुँचने का साहस दिखाया। वे आज भी हर उस बेटी के लिए प्रेरणा हैं जो अभावों के बीच बड़े सपने देखती हैं।

महिला नेतृत्व की प्रभावशीलता का एक और प्रकाश स्तंभ सुषमा स्वराज जी का कार्यकाल रहा। उन्होंने विदेश मंत्रालय को रायसीना हिल्स की फाइलों से निकालकर आम नागरिक के द्वार तक पहुँचा दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि कूटनीति केवल मेज पर होने वाले समझौतों का नाम नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता का नाम है। उनका वह आश्वासन आज भी गूँजता है— यदि आप मंगल ग्रह पर भी फँसे हैं, तो भारतीय दूतावास वहाँ आपकी मदद करेगा। ऑपरेशन राहत के माध्यम से हजारों भारतीयों को सुरक्षित बचाना और वैश्विक मंचों पर हिंदी की गर्जना करना, उनके सशक्त नेतृत्व का प्रमाण था।

शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में भी बदलाव की लहर स्पष्ट है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं के नामांकन में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सत्तर प्रतिशत कार्यबल महिलाएं हैं। प्रशासनिक जगत में किरण बेदी जैसी अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के काफिले का चालान काटकर यह संदेश दिया कि विधान की दृष्टि में सत्ता का कोई विशेष मोल नहीं है। यही वह निष्पक्षता और साहस है जिसकी आज हमारी राजनीति को आवश्यकता है।प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है जब विकास का नेतृत्व महिलाएँ करें।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। सेहत के लिहाज से आपका दिन फीस एंड फाइन रहेगा। आप बेहतर महसूस करेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज से आज का दिन बेहतर है। आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा व्यस्त रहने वाला। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होने की संभावना है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। आज बच्चों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा। आप किसी नए काम पर सोच विचार कर सकते हैं। किसी बात को लेकर बड़े भाई से विचार विमर्श करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सभी कलीग्स के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। अचानक नए स्त्रोतों से होने वाला धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आप शाम को किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा। लवमेट के लिये आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आज शुभ समाचार आपको मिलने वाला है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम में आपको अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे। आज पैसों का लेन देन करने से आपको बचना चाहिए। संगीत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन मिला जुला रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके सेवा कार्यों में व्यस्त रहने वाले है। समाज कल्याण विभाग से जुड़े लोगों के लिए आज एक विशेष जनजाति के लोगों के बीच सर्वे करने जाना पड़ेगा, जिससे आपको काफी कुछ नया सीखने को मिलेगा। समाज में किसी मुद्दे को लेकर आपको अपनी बात दूसरों के सामने रखने का अवसर मिलेगा, जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष थोड़ा कमजोर हो सकता है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपकी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मिलने का योग बन रहा है। इस राशि के मीडिया के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। परिवार से जुड़ी अच्छी खबर आपको मिलेगी। सेहत के लिहाज से आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज परिवार वालों के साथ खुशी खुशी समय बितायेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने शिक्षकों का पूरा पूरा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी। उन्हें किसी विशेष क्षेत्र में सफलता मिल सकती है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए साधारण रहने वाला है। आज आपकी किसी समस्या का समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बातें शेयर करने से बचना चाहिए, साथ ही जल्दबाजी में बड़ा फैसला बिलकुल नही लें। आपको अपनी सोच और व्यवहार को संतुलित रखने की जरूरत है। आपका दाम्पत्य जीवन शांतिपूर्ण बीतेगा।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज किसी खास काम में आपको फायदा होगा। भाई बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होगा। बिजनेस के मामलों में दिन अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। दोस्तों से आपको मदद मिलेगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंगें लेकर आने वाला है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, आज उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपको बड़े अधिकारियों का पूर्ण रूप से सहयोग मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी, लेकिन आप उस चुनौती से शीघ्र ही पार पा लेंगे। घर का माहौल अच्छा रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

भारत का फार्मा सेक्टर : नवाचार और युवाओं के लिए नया आकाश

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

भारत आज दुनिया की फार्मेसी के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक नवाचार-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है।

भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है।

इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित 10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा।

आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है।

वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार

दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरैप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे।

बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेसे बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें।

शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी, तब तक हम जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे।

इसीलिए, हम उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा।

औषधि क्षेत्र का विकास जीडीपी बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव हमारे युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के कंधों पर है। नाईपर का विस्तार और बजट में किए गए प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं। हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां एक छात्र अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर बदलाव ला सके।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 19 अप्रैल 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें। गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने ''हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया। उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''(संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका

द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।'' उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं।

वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, '' जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''इसीलिए वह (मोदी) तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)को सत्ता में लाना चाहते हैं।'' केंद्र सरकार ने नवीनतम जेफरी एपस्टीन केस फाइलों में प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भों को खारिज कर दिया था। सरकार ने इन्हें एक सजायाफ्ता अपराधी के घटिया विचार के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि यह अत्यधिक तिरस्कार के साथ खारिज किए जाने के योग्य है।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। साथ में कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन, दिग्विजय सिंह भी मौजूद हैं।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद रवि शंकर प्रसाद ने, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता स्मृति ईरानी के साथ, नई दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

एचपीवी टीकाकरण अभियान : कोटा रेलवे अस्पताल की जागरूकता मुहिम

केंद्रीय विद्यालय में संगोष्ठी, 83 बालिकाओं एवं अभिभावकों ने लिया भाग

कोटा (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किये जाने के क्रम में कोटा मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा भी इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। इसी कड़ी में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, कोटा में एचपीवी टीकाकरण जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 83 बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कार्यक्रम में कोटा रेलवे अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा सलूजा ने बालिकाओं एवं अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह टीका मुख्य रूप से सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है, जो महिलाओं में चौथा सबसे सामान्य कैंसर है। एचपीवी वैक्सीन ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण को रोककर गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर तथा जननांग संबंधी अन्य रोगों से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। 9 से 14 वर्ष की आयु में यह टीका सर्वाधिक प्रभावी होता है, इसी

कारण भारत सरकार ने 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए यह विशेष टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया है संगोष्ठी में उपस्थित बालिकाओं एवं अभिभावकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा समाधान किया गया, जिससे वैक्सीन को लेकर फैली भ्रांतियाँ दूर हुईं तथा जागरूकता में वृद्धि हुई। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती सुपर्णा सेन रॉय के नेतृत्व में कोटा मंडल इस राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान में अपनी सहभागिता के माध्यम से महिला स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट कर रहा है।

दहेज देने की बात स्वीकार करने मात्र से पत्नी के परिवार पर नहीं चलेगा केस', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज मामलों पर अहम टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी अपनी शिकायत में दहेज देने की बात लिखती है, तो केवल इसी आधार पर उसके या उसके परिवार के खिलाफ दहेज देने का मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 के तहत पत्नी के परिवार के खिलाफ अलग से FIR दर्ज करने की मांग की थी। पति का तर्क था कि पत्नी ने अपनी शिकायत में दहेज देने की बात स्वीकार की है, इसलिए यह अपराध बनता है। इस पर अदालत ने कहा कि अधिनियम की धारा 7(3) पीड़ितों को अभियोजन से संरक्षण देती है, ताकि वे बिना डर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दहेज देने के स्वतंत्र और ठोस सबूत मौजूद हों—जो केवल शिकायत या बयानों से अलग हों—तभी धारा 3 के तहत कार्रवाई संभव है।गौरतलब है कि मूल रूप से धारा 3 में दहेज देने और लेने दोनों को समान रूप से दंडनीय माना गया था। हालांकि, 1982 में संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के बाद इसमें महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। समिति ने पाया था कि दहेज देने वाले अक्सर अपराधी नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव के कारण मजबूर पीड़ित होते हैं। इस फैसले को दहेज पीड़ितों के लिए राहत और न्याय प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमृतसर में नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 64 किलो हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ए.)। पंजाब सरकार के नशा-विरोधी अभियान (Anti-Drug Drive) के तहत पंजाब पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कामयाबी हासिल करने का दावा किया है। पुलिस ने अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क को तोड़ते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 64.62 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।अमृतसर के एसएसओसी (SSOC) पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि नशीले पदार्थों की यह

खेप कहाँ पहुँचाई जानी थी पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि पंजाब सरकार के नशा-विरोधी अभियान को 64.62 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी के साथ बड़ी सफलता मिली है। पंजाब पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस शाखा और अमृतसर में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ इस अभियान में शामिल थे। आरोपियों की पहचान सरवन सिंह उर्फ गुज्जर और शमशेर सिंह उर्फ शेरा के रूप में हुई है, दोनों अमृतसर के निवासी हैं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपियों के संबंध पुर्तगाल में स्थित उनके आकाओं और पाकिस्तान में रहने वाले

दक्षिणी दिल्ली में पिता-पुत्र की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में शुक्रवार देर रात पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अनंत मित्तल के मुताबिक, जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि यह वारदात पिछले विवादों के कारण चली आ रही पुरानी दुश्मनी की वजह से हुई है। डीसीपी ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 09:30 बजे पीएस सीआर पार्क पुलिस को साकेत स्थित मैक्स अस्पताल से सूचना मिली कि सीआर पार्क इलाके के अलकनंदा स्थित तारा अपार्टमेंट के 3 लोगों को गंभीर हालत में उनके रिश्तेदारों द्वारा भर्ती कराया गया था। जांच करने पर डॉक्टरों ने राकेश सूद (62) और बेटे करण सूद (2) को मृत घोषित कर दिया, जबकि चचेरे भाई राहुल को चोटें आई थीं और उनका इलाज चल रहा था।

कक्षा एक से 10वीं तक मराठी नहीं पढ़ाने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की तैयारी, वसूला जाएगा जुर्माना

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा एक से 10वीं तक मराठी भाषा अनिवार्य की गई है. लेकिन जो स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला सरकार ने किया है। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने एक विस्तृत प्रक्रिया तय की है और इस संबंध में एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी किया है। सरकारी प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से ही राज्य भर के स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक मराठी एक अनिवार्य विषय है। यह नियम महाराष्ट्र अनिवार्य शिक्षण और मराठी भाषा अधिगम अधिनियम, 2020 के लागू होने के साथ अनिवार्य किया गया था। अगर कोई स्कूल नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसे पहला नोटिस दिया जाएगा और 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देना अनिवार्य होगा। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो संबंधित स्कूल प्रबंधन पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही अगले शैक्षणिक वर्ष से मराठी विषय को अनिवार्य रूप से शुरू करने के आदेश भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा संबंधित स्कूल को इस निर्णय के खिलाफ 30 दिनों के भीतर अपील करने का अवसर दिया जाएगा। अगर अपील के बाद भी आदेश का पालन नहीं किया जाता है, तो संबंधित स्कूल की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अंतिम निर्णय स्कूल शिक्षा आयुक्त स्तर पर सुनवाई करने के बाद तीन महीने के भीतर लिया जाएगा।

जाते-जाते 7 घरों का चिराग रोशन कर गया ये किसान, पत्नी ने लिया ऐसा फैसला; डॉक्टरों ने भी किया सलाम

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। जिंदगी और मौत के बीच का फासला भले ही इंसान के हाथ में न हो, लेकिन अपने जाने के बाद भी दूसरों की रगों में सांसें बनकर धड़कना इंसानियत का सबसे बड़ा चमत्कार है। गुजरात के अहमदाबाद से एक ऐसा ही भावुक कर देने वाला और प्रेरणादायक मामला सामने आया है। यहां एक 39 साल के किसान की सड़क हादसे में जान चली गई, लेकिन मौत के आगोश में समाने से पहले वह 7 लोगों की जिंदगी को एक नई सुबह दे गया। किसान के ब्रेनडेड होने के बाद उसकी पत्नी और परिवार ने एक ऐसा साहसिक और मानवीय फैसला लिया, जिसने चिकित्सा जगत के साथ-साथ आम लोगों के सामने भी मानवता की एक नई मिसाल पेश कर दी है। खेड़ा जिले के कपड़वंज इलाके में रहने वाले 39 वर्षीय किसान मनुभाई परमार बीते 12 अप्रैल को एक भयानक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। इस हादसे में उनके सिर पर गहरी और गंभीर चोटें आई थीं। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत अहमदाबाद के सिविल अस्पताल रेफर किया गया था। डॉक्टरों ने अपनी तरफ से मनुभाई को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन समय बीतने के साथ उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः, तमाम कोशिशों के विफल होने के बाद डॉक्टरों की टीम ने मनुभाई को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

तीन वर्षों में ढाई गुना उछाल-लक्ष्य से 18 प्रतिशत आगे, पमरे में लक्ष्य पार करने वाला एकमात्र मंडल

स्क्रैप बिक्री में कोटा मंडल बना पूरे पमरे में अव्वल, 47.15 करोड़ की रिकॉर्ड आय

कोटा (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्क्रैप निपटान से 47.15 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड आय अर्जित कर पूरे पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्र में लक्ष्य प्राप्ति में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह आय निर्धारित लक्ष्य से 18 प्रतिशत अधिक है और कोटा मंडल पश्चिम मध्य रेलवे में अपना स्क्रैप लक्ष्य पार करने वाला एकमात्र मंडल रहा। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में मंडल ने स्क्रैप निपटान को एक सुव्यवस्थित अभियान का रूप देते हुए यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा मंडल की स्क्रैप आय में पिछले तीन वर्षों से निरंतर और प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हो रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में 18.30 करोड़ रुपये

से शुरू हुई यह यात्रा 2024-25 में 36.60 करोड़ और 2025-26 में 47.15 करोड़ रुपये तक पहुँची। तीन वर्षों में आय ढाई गुना से अधिक हो जाना इस बात का प्रमाण है कि मंडल ने स्क्रैप निपटान को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राजस्व एवं स्वच्छता अभियान के रूप में अपनाया है। इस वर्ष कुल 14,471 मीट्रिक टन स्क्रैप सामग्री का सफलतापूर्वक निपटान किया गया, जिसमें पुरानी रेल पटरियाँ, फिशप्लेट एवं फास्टनर, बोगी फ्रेम, कपलर, पुराने कोच एवं वैगन के पुर्जे, विद्युत उपकरण, अनुपयोगी केबल, आयरन स्लीपर, पुराने ट्रक,निर्माण सामग्री तथा स्टेशन फर्नीचर, वुडेन बॉक्स जैसी सामग्री सम्मिलित रही। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने इस उपलब्धि पर मंडल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि स्क्रैप हटाना केवल राजस्व अर्जन का माध्यम नहीं, रेलवे सुरक्षा और आधुनिकीकरण का अनिवार्य हिस्सा भी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी पारदर्शिता, दक्षता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए और बेहतर परिणाम प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

विपक्षी नेताओं को देश की महिलाओं से कोई मतलब नहीं : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला आरक्षण संशोधन बिल (131वां संशोधन विधेयक) खारिज होने को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पहले से ही तय कर रखा था कि महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं तक कभी नहीं पहुंचने दिया जाएगा। रेखा गुप्ता ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया। इन लोगों ने तय कर रखा था कि किसी भी हालत में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा तक नहीं पहुंचने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार अलग-अलग बहाने बनाता रहा, कभी जाति के आधार पर आरक्षण की बात, कभी धर्म के आधार पर, तो कभी सीटों की संख्या को लेकर सवाल उठाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी 543 सीटों की बात की गई, कभी 850 सीटों की, कभी परिसीमन (डिलिमिटेशन) को मुद्दा बनाया गया। लेकिन सच्चाई यही है कि ये लोग नहीं चाहते कि देश की आधी आबादी, करीब 70 करोड़ महिलाएं, सदन तक पहुंचें।

नई दिल्ली में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के शिखर सम्मेलन के दौरान, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने के विरोध में अपनी कलाई पर काली पट्टी बांधी।

महिलाओं के लिए मसीहा बनना आसान नहीं है,सरकार की साजिश नाकाम : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) बिल पास न होने पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, कल जो हुआ वो लोकतंत्र के लिए एक बहुत बड़ी जीत थी। संघीय ढांचे को बदलने और लोकतंत्र को कमजोर करने की सरकार की जो साजिश थी, उसको रोका गया। यह संविधान की जीत थी, देश की जीत थी और विपक्ष की एकता की जीत थी और यह सत्ता पक्ष के नेताओं के चेहरों पर साफ दिख रहा था...मुझे लगता है कि यह एक साज़िश है कि किसी तरह उन्हें सत्ता में बने रहना है... इसलिए इसे हासिल करने के लिए, वे महिलाओं का इस्तेमाल करके हमेशा सत्ता में बने रहने की प्लानिंग कर रहे हैं... उन्होंने सोचा कि अगर यह पास हो गया, तो वे जीत जाएंगे। अगर यह पास नहीं हुआ, तो वे दूसरी पार्टियों को महिला विरोधी बताकर महिलाओं के मसीहा बन जाएंगे... हम जानते हैं कि महिलाओं के लिए मसीहा बनना आसान नहीं है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, हमारा स्टैंड बहुत साफ है। पूरे INDIA अलायंस ने अपना स्टैंड बहुत साफ़ कर दिया है, और इस वोट ने इसे और भी साफ़ कर दिया है कि, हमारी समझ से, यह बिल जो पेश किया गया था और तीन दिन की चर्चा महिला रिज़र्वेशन के बारे में नहीं थी; यह सिर्फ़ डिलिमिटेशन के बारे में थी, और हम सभी ने इस पर अपने विचार बहुत साफ़ तौर पर बताए हैं। कांग्रेस M P प्रियंका गांधी वाड्रा कहती हैं, जिस तरह से वे यह बिल लाए हैं, जो चीज़ें उन्होंने इससे जोड़ी हैं, डिलिमिटेशन, 2011 की जनगणना, यह बहुत साफ़ है कि उन्हें पता था कि यह बिल पास नहीं हो पाएगा। उन्हें बस पॉलिटिकल क्रेडिट चाहिए था...कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा हम बहुत साफ कह रहे हैं, और हम यह हर प्लेटफॉर्म से कहेंगे, हम यह हर राज्य में कहेंगे, सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं, बल्कि INDIA गठबंधन की हर पार्टी यह बहुत साफ कहेगी: वह 2023 का कानून लाओ जो पास हुआ था, उसे 2029 तक पूरा करने के लिए जो भी बदलाव करना है, करो, हम उसका पूरा सपोर्ट करेंगे।

बजट सत्र में 109.87 प्रतिशत कामकाज, 117 प्रश्न पूछे, पीएम व केंद्रीय मंत्रियों ने दिए वक्तव्य

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राज्यसभा के 270वें सत्र के समापन के साथ ही शनिवार को संसद के बजट सत्र का भी समापन हो गया। शनिवार को समाप्त हुए संसद के इस बजट सत्र में राज्यसभा का कामकाज सुचारू रूप से चला और सत्र की प्रोडक्टिविटी 100 फीसदी से भी अधिक रही। संपूर्ण सत्र के दौरान राज्यसभा ने कुल 157 घंटे 40 मिनट कार्य किया। खास बात यह रही कि इस दौरान राज्यसभा की उत्पादकता 109.87 प्रतिशत रही। शनिवार को समाप्त हुए बजट में कुल 117 प्रश्न पूछे गए, वहीं सदन में 446 शून्यकाल उल्लेख किए गए। वहीं राज्यसभा सांसदों द्वारा 207 विशेष उल्लेख प्रस्तुत किए गए। बजट सत्र के समापन पर उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी दलों के सांसदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सांसदों से कहा कि आपने अपने बहुमूल्य विचारों से सदन की कार्यवाही को समृद्ध किया। गौरतलब है कि संसद के तीनों सत्रों में बजट सत्र का विशेष महत्व होता है। यह न केवल सबसे लंबा सत्र होता है, बल्कि देश की विकास दिशा तय करने में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस सत्र में पारित बजट, स्वीकृत नीतियां और निर्धारित प्राथमिकताएं देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित करती हैं।

कंधे पर हाथ, चेहरे पर मुस्कान; CM बनने के बाद पहली बार सम्राट से नीतीश की मुलाकात

पटना ,(आरएनएस)। बिहार की राजनीति में हलचल के बीच पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को देशरत्न मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली, जिसमें देश और राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और सरकार के कामकाज पर चर्चा हुई। 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद यह पहली बार है जब सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार आमने-सामने मिले। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र यादव से भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात की तस्वीरें सम्राट चौधरी ने अपने आधिकारिक X (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर साझा कीं। तस्वीरों में नीतीश कुमार सहज और प्रसन्न नजर आए।

लोग बहुत कुछ करते हैं, जो मैं अभी भी सीख रही हूं : पूनम पांडे

मुंबई (ए.)। साल 2011 के आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से जुड़े मॉडल और अभिनेत्री पूनम पांडे के उस बड़े विवाद को फिर से याद किया जाने लगा है, जिसने उन्हें अचानक चर्चा में ला दिया था। उस विवाद को पूनम ने अपने लिए एक अत्यंत कठिन स्थिति करार दिया। पूनम ने स्वीकार किया कि उस समय वह मनोरंजन जगत में काम करने के तरीकों, विशेषकर नेटवर्किंग और संपर्कों के महत्व को पूरी तरह से नहीं समझ पा रही थीं। उन्होंने कहा, अब मुझे पता है कि इस इंडस्ट्री में लोग बहुत कुछ करते हैं,

जो मैं अभी भी सीख रही हूं। पूनम ने खुलासा किया कि यह विवादास्पद बयान उन्होंने अपने जन्मदिन पर दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए अचानक दे दिया था। जो उन्हें एक बचकाना बात लगी थी, वह कल्पना से कहीं अधिक बड़ी बात साबित हुई। उन्होंने अपनी सोच को याद करते हुए कहा, मेरे दिमाग में ये कमाल का आइडिया आया था। भारत के वर्ल्ड कप जीतने के बाद, उनका यह वादा तुरंत सार्वजनिक बहस का केंद्र बन गया। ऑनलाइन प्रतिक्रियाएं तत्काल और बेहद तीखी थीं, जिससे आलोचना और बहस का दौर शुरू हो गया।

पूनम ने बताया कि मामला जल्द ही सार्वजनिक चर्चा से आगे बढ़कर कानूनी डर में बदल गया। मैं सच में बहुत डर गई थी क्योंकि इतने कोर्ट केस हो रहे थे मेरे ऊपर, वादा पूरा करना भी है तो कैसे करूं, उन्होंने अपनी उस समय की मनोदशा को व्यक्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अपने वादे को पूरा करने की इजाजत मांगी थी, लेकिन उनके अनुरोध को अस्वीकृत कर दिया गया। जहां एक तरफ यह विवाद सार्वजनिक रूप से गर्माया हुआ था, वहीं घर में इसका असर पूनम के लिए और भी मुश्किल था। पूनम ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार को इस बयान के बारे में पहले से बिल्कुल नहीं बताया था। उनके पिता को अखबार में खबर पढ़कर ही इस पूरे मामले की जानकारी मिली। इसके बाद घर में जोरदार बहस हुई और उनके पिता ने गुस्से में आकर उन्हें थप्पड़ मार दिया। पूनम ने बताया कि परिवार ने उनकी इज्जत और समाज की चिंता जताई।

उन्होंने सवाल उठाए, ब्राह्मण घर की बेटी है, कैसे बोल सकती है। परिवार को इस घटना का उनके भविष्य, खासकर शादी पर पड़ने वाले संभावित असर की भी गहरी चिंता थी। पूनम पांडे आज भी मानती हैं कि उस एक पल ने उन्हें बेशक अचानक और व्यापक पहचान दिलाई, लेकिन इसके साथ कई ऐसे गंभीर और अप्रत्याशित नतीजे भी आए, जिनका उन्हें उस वक्त बिल्कुल अंदाजा नहीं था। मालूम हो कि पूनम पांडे का यह विवाद 2011 में शुरू हुआ था, जब पूनम एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं और उतनी लोकप्रिय नहीं थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बड़ी घोषणा की थी- यदि महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप जीतती है, तो वह कैमरे के सामने अपने कपड़े उतार देंगी।

है जवानी तो इश्क होना है की मौलिकता पर उठ रहे सवाल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का पहला लुक रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच खासी चर्चा बटोरी है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े तीनों के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाई गई है, जो फिल्म का एक मजबूत पक्ष हो सकती है, लेकिन फिल्म को लेकर सारा सस्पेंस पहले लुक में ही खुलकर सामने आ चुका है, जिससे इसकी मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं।

लोगों का कहना है कि यह एक पुराने गिफ्ट को नई पैकिंग के साथ सिनेमाघरों में उतारा जा रहा है। है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन एक साथ दो-दो पत्नियों के साथ दोहरी जिंदगी जीते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर उनकी पहली पत्नी की भूमिका में हैं, जबकि पूजा हेगड़े उनकी दूसरी पत्नी का किरदार निभा रही हैं। इस प्लॉट को देखकर तुरंत बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 गोविंदा की क्लासिक कॉमेडी फिल्मों सैंडविच और साजन चले ससुराल की यादें ताजा हो जाती हैं। कुल मिलाकर, यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शकों को सलमान खान के गाने के

टाइटल और गोविंदा की फिल्मों की स्क्रिप्ट का एक मिक्स कॉकटेल देखने को मिल सकता है।

गोविंदा की फिल्म सैंडविच सभी को याद होगी, जिसमें वह महिमा चौधरी और रवीना टंडन दोनों से शादी कर लेते हैं और दोनों के दो बच्चों (टोनी और टुकटुक) को जन्म देती हैं, जिनकी शक्लें एक जैसी होती हैं क्योंकि दोनों के पिता गोविंदा ही हैं। है जवानी तो इश्क होना है के पहले लुक में भी इसी तरह की थीम देखने को मिल रही है, जहां 2 एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जेनरेट किए गए बच्चे दिखाए गए हैं। ये बच्चे पहले अपनी मम्मी का नाम बताते हैं और फिर अपने पापा का। जब दोनों के पापा का नाम सेम निकलता है, तो वे मासूमियत से सवाल करते हैं, कहीं हमारे पिता एक ही तो नहीं? यह सीन फिल्म की केंद्रीय कहानी को सीधे तौर पर उजागर करता है।

पहले लुक से यह साफ है कि वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म सैंडविच और साजन चले ससुराल जैसी गोविंदा की सुपरहिट फिल्मों से काफी प्रेरित है। यह संयोग की बात नहीं है कि साजन चले ससुराल का निर्देशन वरुण धवन के पिता, डेविड धवन ने किया था, और इस नई फिल्म का निर्देशन भी वही कर रहे हैं। डेविड धवन अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें हंसी की कमी नहीं होती। उनकी फिल्में दर्शकों को खुलकर हंसने पर मजबूर कर देती हैं और बॉक्स ऑफिस पर अक्सर सफल रहती हैं।

'12 घंटे से भी अधिक लंबी होती है शिफ्ट', अर्चना पूरन सिंह ने बढ़ते काम के घंटों को लेकर जताई चिंता

फिल्म इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर एक बहस जारी है। पिछले साल दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे काम की शिफ्ट की मांग की थी। जिसके बाद उन्हें कुछ फिल्मों से भी हाथ धोना पड़ा और इस मांग ने एक बहस को भी जन्म दिया। कई लोगों ने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर चिंताएं जाहिर कीं। कई ने कलाकारों और क्रू दोनों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। हाल ही में कॉमेडी ड्रामा सीरीज 'टोस्टर' के कलाकारों, राजकुमार राव, सान्या मल्होत्रा, अभिषेक बनर्जी और अर्चना पूरन सिंह ने भी इसी तरह के मुद्दों पर बात की। अब अर्चना पूरन सिंह ने अधिक काम के घंटों को लेकर चिंता जताई है।

क्रू मेंबर्स पर पड़ता है बुरा असर

न्यूज 18 के साथ बातचीत में अर्चना पूरन सिंह ने बढ़ते काम के घंटों के दबाव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि कैसे शिफ्टें अक्सर निर्धारित समय से आगे बढ़ जाती हैं, कभी-कभी 12 घंटे से भी अधिक लंबी हो जाती हैं। इसका विशेष रूप से उन क्रू मेंबर्स पर बुरा असर पड़ता है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लंबे समय तक शारीरिक रूप से कठिन काम में लगे रहते हैं।

इसके बावजूद वे हमसे 13-14 घंटे काम करने और लंच ब्रेक न लेने की उम्मीद करते हैं। यह एक तरह की कंजूसी है। कंजूसी एक मानसिकता है। आप उन लाइटमैन को कैसे खाना नहीं खाने दे सकते जो घंटों धूप में खड़े रहते हैं? उनके पास हमारे जैसे असिस्टेंट नहीं हैं, जो उनके लिए फल लाएं। यह बहुत बुरा है।

चिरैया के लिए दिव्या दत्ता ने किया दर्शकों का शुक्रिया अदा

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री दिव्या दत्ता वेब सीरीज चिरैया में नजर आई थीं। ओटीटी पर स्ट्रीम होने के बाद सीरीज को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसे देखते हुए अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, हमारे दर्शकों का इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन लोगों को यह सीरीज पसंद आई और जिनसे यह जुड़ गई और जिन्होंने इसे अपना प्यार दिया। उन सभी को तहे दिल से शुक्रिया। छह एपिसोड वाली हिंदी ड्रामा वेब सीरीज वैवाहिक दुष्कर्म और पितृसत्तात्मक दबाव के गंभीर विषय पर आधारित है।

सीरीज के जरिए निर्देशक शशांत शाह ने उन कुरीतियों पर सोचने पर मजबूर किया है, जो सालों से प्रथा के तौर पर समाज में चली आ रही हैं, जिन पर आजतक किसी ने सवाल नहीं किया। चिरैया की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के बाद भी अपने अधिकारों और सहमति के मुद्दे पर आवाज उठाती है। यह सीरीज सीधे-सीधे पूछती है, क्या शादी करने भर से जीवन भर की सहमति मिल जाती है? क्या पति को जबरदस्ती करने का हक है? शशांत शाह द्वारा निर्देशित सीरीज में दिव्या दत्ता मुख्य भूमिका में हैं, जो कुरीति पर सवाल उठाने के साथ-साथ अपनों से ही लड़ती दिख रही हैं। वहीं, इसमें संजय मिश्रा भी अहम किरदार में हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टिन्नू आनंद और सरिता जोशी जैसे कलाकार भी खास भूमिकाओं में हैं।

कौन हैं पार्वती कृष्णा? फेस योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल; यूजर्स को दिया ऐसा जवाब

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा ट्रोल हो रही हैं। इसकी वजह फेस योगा को लेकर किए गए उनके दावे हैं। पार्वती कृष्णा का फिल्मी कनेक्शन भी है।

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है?

पार्वती के दावे पर खड़ा हुआ विवाद

पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

क्या सलमान की जगह शाहरुख खान करेंगे आलिया भट्ट के साथ रोमांस? 'इंशाअल्लाह' को लेकर आई बड़ी अपडेट!

फिल्म 'इंशाअल्लाह' संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और सलमान खान मुख्य किरदारों में नजर आने वाले थे। हालांकि जब संजय लीला भंसाली और सलमान खान के बीच क्रिएटिव मतभेदों के चलते इस पर रोक लग गई, तो इसे बड़ा झटका लगा। अब खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म को फिर से शुरू किया जा रहा है। इसमें सलमान खान की जगह शाहरुख खान को लिया गया है।

अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊं : जनाई भोसले

मुंबई (ए.)। इंस्टाग्राम पर भारतीय स्वर साम्राज्ञी आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने अपनी दादी के साथ बिताए अनमोल पलों को याद करते हुए एक हृदयस्पर्शी वीडियो साझा किया है। जनाई ने अपने पोस्ट की शुरुआत गहरे दुख के साथ की, जिसमें उन्होंने लिखा, आज सुबह जब मैं उठी, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने शरारतों के साथी, अपने सबसे अच्छे दोस्त, उस इंसान को खो दिया है, जिसने मेरी दुनिया को पूरा किया, जिसने मुझे जन्म के समय सबसे पहले अपनी गोद में लिया था।

ये पंक्तियाँ उनके और आशा भोसले के बीच के गहरे और अद्वितीय बंधन को दर्शाती हैं, जो सिर्फ दादी-पोती के रिश्ते से कहीं बढ़कर था। जनाई ने अपने जीवन के इस खालीपन को व्यक्त करते हुए आगे लिखा, अब मैं क्या करूं? अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊं और किसके साथ चाय पीयूं? जब मैं घर आऊंगी तो मेरा इंतजार कौन करेगा? और मैं मजाक किसके साथ करूंगी? मेरी पूरी दुनिया चली गई। उनकी ये बातें उनके दैनिक जीवन के उन छोटे-छोटे पलों को याद करती हैं, जो अब सिर्फ यादों का हिस्सा बन चुके हैं और उनके जीवन में एक बड़ा शून्य छोड़ गए हैं। जनाई ने अपनी दादी को याद करते हुए उन सभी लोगों से भी बात की जो उनके इस दुख में शामिल थे। उन्होंने कहा, ये तो बस कुछ बातें हैं जो मुझे उनकी याद दिलाती हैं, लेकिन जो लोग मेरे साथ इस दुख को महसूस कर रहे हैं, उनसे मैं यही कहना चाहती हूं कि अगर कोई उन्हें याद करे, तो उसी खुशी और जिंदादिली के साथ करे, जिससे वह हमेशा जानी जाती थीं। उन्होंने हर किसी के जीवन में हंसी और खुशी भरने का काम किया था। यह उनकी दादी के जीवंत और सकारात्मक व्यक्तित्व का सम्मान था, जो हमेशा दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए जानी जाती थीं। जनाई ने अपने विश्वास को साझा करते हुए लिखा, मुझे लगता है कि वह हम सबको ऊपर से देख रही हैं, खासकर अपने परिवार पर नजर रख रही हैं। मुझे यकीन है कि वह बहुत जल्द मेरे पास वापस आएंगी, क्योंकि उन्होंने मुझसे यही वादा किया था और हमेशा यही कहती थीं। यह आशा और विश्वास उनके गहरे प्रेम को दर्शाता है कि उनकी दादी की आत्मा हमेशा उनके साथ रहेगी।

नॉवेल, म्यूजिक और पॉडकास्ट से मिला सुकून : रसिका दुग्गल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हाल ही में अपने प्रेरणादायक अनुभवों को प्रशंसकों के साथ साझा किया। इंस्टाग्राम पर अपनी एक मनमोहक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें वह अपने बालों के साथ खेलती नजर आ रही हैं, रसिका दुग्गल ने एक विस्तृत कैप्शन लिखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह हमेशा ऐसी चीजों की तलाश में रहती हैं जो उनके मन के भावों को सकारात्मक रूप से बदल सकें और उन्हें आंतरिक शक्ति प्रदान करें। रसिका ने अपने पोस्ट में लिखा, इंस्पिरेशन की तलाश मेंज हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती रहती हूं जो मेरे एहसासों को थोड़ा बदल दे, मेरे मन की बात कह देंज पिछले कुछ महीनों में कुछ चीजें मेरे लिए खास प्रेरणा का स्रोत रही हैं। इस दौरान, रसिका ने विशेष रूप से विश्व प्रसिद्ध फिगर स्केटर एलिसा लियू का उल्लेख किया, जिनकी शानदार वापसी ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा, एलिसा की वापसी प्रेरणादायक रही। यह एक ऐसी वापसी की कहानी है, जिसमें अपार मेहनत, अटूट आत्मविश्वास और अपने स्वयं के रास्ते पर चलने की ताकत स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनकी उपलब्धियां अविश्वसनीय रूप से शानदार रही हैं, जिसमें ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे प्रतिष्ठित बड़े मंचों पर उनकी विजय भी शामिल है। साहित्य से भी रसिका को गहरी प्रेरणा मिली।

उन्होंने प्रख्यात लेखिका किरण देसाई के एक नॉवेल का जिक्र किया, जिसके किरदार सोनिया और सनी की अकेलेपन भरी कहानी ने उनके दिल को गहराई तक छू लिया। 90 के दशक में भारत में पले-बढ़े लोगों के लिए यह कहानी बेहद मार्मिक और करीब महसूस होती है। रसिका ने बताया कि वह इस किताब में इतनी लीन हो गईं कि आज भी इसके बारे में सोचती रहती हैं और कभी-कभी सपनों में भी इसकी झलक देखती हैं। संगीत के प्रति अपने बदलते रुझान पर बात करते हुए रसिका ने आगे लिखा, एलिसा लियू की परफॉर्मेंस को बार-बार देखने के बाद, मेरा झुकाव डिस्को म्यूजिक की ओर भी बढ़ गया। मैकआर्थर पार्क सुइट अब मेरे पसंदीदा

गानों में शुमार हो गया है और मैं इसे लगातार सुनती हूं। इससे पहले, मैं छा रही काली घटना जैसे अधिक गंभीर गाने सुनती थीं, लेकिन अब मेरी संगीत पसंद में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और मैं अपनी सुबह की सैर के दौरान भी डिस्को गानों का भरपूर आनंद लेती हूं। अधिक गहन चिंतन के लिए, रसिका का लंबे समय से पसंदीदा पॉडकास्ट द सीन एंड द अनसीन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से इसके ए प्राइमर ऑन चाइना एपिसोड का उल्लेख किया, जिसमें अमित वर्मा और मनोज केवलरमानी हैं। रसिका ने बताया कि उन्होंने इस एपिसोड को कई बार 15 सेकंड पीछे करके सुना, क्योंकि इसमें बहुत कुछ समझाया गया है। उन्होंने कहा, चीन का ऐसा दिलचस्प इतिहास, जो आपको शायद सामान्य किताबों में न मिले। अभी तक मैं इस 4 घंटे लंबे एपिसोड को पूरा नहीं कर पाई हूं लेकिन हां, अब बस आखिरी 36 मिनट बाकी हैं।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए निर्देश जारी, हेल्पलाइन नंबर और वन स्टॉप सेंटर सक्रिय

नागरिक चाइल्ड एवं महिला हेल्पलाइन पर दे सकते हैं बाल विवाह की सूचना

सीहोर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं

एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस आपातकालीन सेवा 112 को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके इसके अलावा, जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, जहां महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता, परामर्श, आश्रय और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन केंद्रों के माध्यम से पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा बाल विवाह कराने या उसमें सहयोग करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना तुरंत प्रशासन को देकर बच्चों के सुरक्षित भविष्य में अपनी भागीदारी निभाएं।

गुरुद्वारे में मनाई गई गुरु अंगद देव की जयंती

जात-पात से हटकर गुरु अंगद जी ने ही लंगर की प्रथा चलाई-ज्ञानी गगनप्रीत सिंह

सीहोर। गुरु अंगददेव जी ने गुरुमुखी यानी पंजाबी लिपि का आविष्कार किया। साथ ही गुरु नानकदेव की वाणी को लेखों के रूप में संजोए रखा। जात-पात से हटकर गुरु अंगद जी ने ही लंगर की प्रथा चलाई। उक्त विचार शहर के गंगा आश्रम स्थित गुरुद्वारे में शनिवार को गुरु अंगद देव की जयंती के पावन अवसर पर ज्ञानी गगनप्रीत सिंह ने कहे। इस मौके पर श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर की ओर से संत श्री माधव दास महाराज, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास, सवारी प्रभारी सन्नी सरदार आदि ने ज्ञानी जी का सम्मान और स्वागत किया। इस मौके पर जिला संस्कार मंच मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि इतिहास में पहली बार सिख समाज और संपूर्ण हिन्दु समाज के द्वारा आगामी 25 अप्रैल को भव्य श्रीलक्ष्मी नारायण सवारी महाकुंभ कलश यात्रा का आयोजन शहर के जगदीश मंदिर पर शाम चार बजे से किया जाएगा। इस शाही सवारी के दौरान नागा साधुओं के अलावा निहंग सरदार आदि सनातन को मजबूत करने के लिए संपूर्ण जाति के श्रद्धालु शामिल रहेंगे। शनिवार को गुरुद्वारे में लंगर में आए सभी सिख समाज और अन्य को शाही सवारी में शामिल होने का आह्वान किया। इसके अलावा 26 अप्रैल को प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के तत्वाधान में भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। वहीं 30 अप्रैल को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय है।ज्ञानी गगनप्रीत सिंह ने कहाकि सिखों के दूसरे गुरु, गुरु अंगद देव जी का पूर्व नाम था। गुरु अंगद देव ने केवल गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को आगे बढ़ाया, बल्कि सिख पंथ को एक नई संगठनात्मक शक्ति प्रदान की। गुरु नानक देव ने अपने दोनों पुत्रों को छोड़कर अंगद देव को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। गुरु अंगद देव ने गुरु नानक देव की उन सात परीक्षाओं का सामना किया। गुरु नानक देव ने उन्हे अपने गले से लगाकर कहा कि अब तेरे और मेरे में कोई अन्तर नहीं रहा। आज से तुम अंग हुए मेरे अंगद। तभी से उनका नाम अंगद देव हो गया जो सिख पंथ के दूसरे गुरु कहलाए।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर अभिषेक महाआरती कल

सीहोर (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सर्व ब्राम्हण समाज के तत्वाधान में जगत पालक भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान शिव शक्ति के परम शिष्य चिरंजीवी भगवान परशुरामजी का जन्मोत्सव श्रद्धा, विश्वास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जायेगा। इस आयोजन की जानकारी देते हुये मिडिया प्रभारी पंडित सुनील शर्मा व प्रियांशु दीक्षित ने बताया की खजांची लाइन स्थित ब्राह्मण समाज धर्मशाला में कल 20 अप्रैल सोमवार को आचार्य गणों के द्वारा वेद मंत्र उच्चारित कर सुबह 8 बजे से भगवान परशुरामजी का अभिषेक प्रारंभ किया जाएगा और सुबह 10 बजे शंखनाद के साथ महाआरती का आयोजन होगा। ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. दीपक शर्मा , धर्मशाला अध्यक्ष पं. मनोहर शर्मा,चल समारोह अध्यक्ष पं. राजेश मोहन शर्मा,कार्यकारी अध्यक्ष पं. सुदीप व्यास,ग्रामीण अध्यक्ष पं. महेश दुबे, महिला मंडल अध्यक्ष नीलम शर्मा, महामंत्री पं. रमाकांत समाधिया, युवा संघठन अध्यक्ष पं. रजत व्यास,चल समारोह युवा अध्यक्ष पं. तनिश त्यागी, रुपेश तिवारी,महिला मंडल अध्यक्ष उमा शुक्ला, चल समारोह महिला उपाध्यक्ष शिल्पी तिवारी, ने सभी विप्र बंधुओ से अपील की है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता प्रदान करें।

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ते हुए तापमान से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस संबंध में जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी एवं उपचार के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारियों को आने वाले मरीजो की लू के लक्षणों की जांच करने, उचित प्रबंधन करने, ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने तथा वार्ड में शीतलता के लिए पंखों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि तेज धूप एवं ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण होता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे इलेक्ट्रोराइड का असंतुलन हो जाता हैं। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एक हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट बनाई जा रही हैं एवं गर्मी से संबंधित बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कार्नर बनाए जा रहे हैं। संवेदनशील समूहों जैसे गर्भवती महिला, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए भी अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाओं के निर्देश जारी किये गए है। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के नियमित पानी पीते रहे। धूप में बाहर निकलते समय शरीर को सूती वस्त्रों से ढांक कर रखें और अखबारों एवं सोशल मीडिया पर आने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों का अवलोकन करें। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के लिए दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच धूप में न निकलें, इस समय लू लगने की संभावना अधिक होती है। मदिरा, चाय, कॉफी इत्यादि का अत्याधिक सेवन न करें। कोई भी अधिक मेहनत का कार्य करते समय पर्याप्त पानी पीते रहें और डिहाइड्रेशन से बचें। बासे भोजन का सेवन न करें। भीड़भाड़ वाली जगाहों पर जाने बचें। इसके साथ ही लू के लक्षण दिखाई देने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बच्चों को बताया गया जल का महत्व

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में अनेक जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इसी क्रम में बुधनी के एकलव्य स्कूल में पेंटिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में बच्चों को जल की उपयोगिता एवं उसके संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप पानी की बोतलें वितरित की गईं। इस अवसर पर बच्चों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

पुष्प एकेडमी के विद्यार्थियों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

सीहोर। पुष्प एकेडमी के कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस सफलता पर विद्यालव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वागत फुल मालाओ से किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थिव रहे। विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा।

प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं लगन की सराहना की और सभी विद्यार्थियों के उज्वज भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आगे भी उत्कुट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

आज भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ होगा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

सीहोर (निप्र)। मानव, मर्यादा का पालन कर अन्याय के विरूद्ध लड़ सकता है, यही शिक्षा राम के चरित्र को सभी में उत्तम बनाती है। राम राज्य की कल्पना को आज भी आदर्श माना जाता है, राम राज्य और श्रीराम का राजधर्म पूर्णत: सत्य और धर्म पर आधारित है। उक्त विचार यज्ञ संचालक श्री-श्री पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने शहर के जयंती कालोनी में बालाजी सरकार श्री हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में रविवार से होने वाले भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीराम कथा में आए विप्रजनों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहाकि यह पल सीहोर शहर के इतिहास में पहली बार आने वाला है, जब राष्ट्रीय राम कथा व्यास मानस कोकिला महंत डॉ. प्रज्ञा भारती के द्वारा श्रीराम कथा और रात्रि को महाकाल मंडल रामलीला उज्जैन द्वारा प्रतिदिन मंचन किया जाएगा। लगातार सात दिनों तक भगवान की महिमा का महत्व बताया जाएगा।

एक्सीलेंस का एक्सीलेंट रिजल्ट

आष्टा (निप्र) एक्सीलेंस पब्लिक हाई स्कूल आष्टा के विद्यार्थियों ने यथा नाम यथा तथा गुण को साकार करते हुए हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त किया। कु.भूमिका मेवाड़ा द्वारा 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक बनाकर विद्यालय को गौरव प्रदान किया किया। आपका लक्ष्य भारतीय सेना मैं ऑफिसर बनने का है। कु. वर्णिका शर्मा द्वारा 89 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय रहा।

श्रीराम कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

श्रीराम का जीवन केवल कथा नहीं, बल्कि मानवता के लिए मार्गदर्शक-महंत उद्धवदास महराज

सीहोर(निप्र)। शहर के कंचन विहार विश्वनाथपुरी स्थित परिसर में श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी नौ दिवसीय श्रीराम कथा के अंतिम दिवस महंत उद्धवदास महाराज ने श्रीराम के

वनवास, भ्रातृ प्रेम, माता-पिता के प्रति आज्ञाकारिता और प्रजा के प्रति कर्तव्य जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि श्रीराम का जीवन केवल कथा नहीं, बल्कि मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

कथा के अंतिम दिवस भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे परिसर में भजन-कीर्तन और प्रभु श्रीराम के जयघोष से वातावरण दिव्य और आस्थामय बना रहा। अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, त्याग, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की महत्ता को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का साथ न छोड़ने की प्रेरणा देता है। सत्य और धर्म के मार्ग पर चलकर ही आदर्श समाज की स्थापना संभव है, इस संदेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन को गहराई से प्रभावित किया। हनुमान जी के सब ऋणी उन्होंने सबके संकट मिटाये लक्ष्मण सीता भरत सुग्रीव और राम भी, गोस्वामी तुलसीदास जी को भगवान के दर्शन कराएं और राम चरित मानस की रचना करवाई, जो दुःख मे भी मुस्कुरा दें वही श्रेष्ठ इंसान, जीवन मे सफल होना है तो बुजुर्गों का सम्मन करो उनके अनुभव से लाभ लेना चाहिए जवानी के जोश को वृद्धावस्था का होश मिलना जरुरी है, यश के पीछे मत भागो कर्म ऐसे करो कि यश आपके पीछे आए, रामायण जीवन जीने का सबसे अच्छा रास्ता समझाती है।

तरुण पुष्प हायर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया

भैरूंदा (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा बुधवार को घोषित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था तरुण पुष्प हायर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया है। संस्था के विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। संस्था के छात्र सत्यम पंवार (पिता - देवीसिंह पंवार) ने अंग्रेजी माध्यम से गणित संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में चतुर्थ स्थान एवं तहसील में प्रथम स्थान हासिल कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। सत्यम का यह सफर संघर्ष, परिश्रम और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। वे एक निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं, जहां उनके पिता एक सहकारी संस्था में कार्यरत हैं। सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद सत्यम ने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया और निरंतर मेहनत करते हुए यह मुकाम हासिल किया। सत्यम की विषयवार उपलब्धि भी अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने भौतिकी में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर पूर्णांक हासिल किए, वहीं रसायन शास्त्र में 91, गणित में 94, अंग्रेजी में 98 तथा हिंदी में 92 अंक अर्जित किए। सभी विषयों में डिस्टिंक्शन अंक प्राप्त करना उनकी गहन तैयारी और विषयों पर मजबूत पकड़ को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि सत्यम ने बिना किसी कोचिंग के केवल स्वअध्ययन एवं विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह सफलता प्राप्त की, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इसी क्रम में कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में संस्था की छात्रा अपूर्वा सिंह (पुत्री - जयपाल सिंह ठाकुर) ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अपूर्वा प्रारंभ से ही कुशाग्र बुद्धि एवं अनुशासित छात्रा रही हैं, जिन्होंने अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहकर यह सफलता अर्जित की। उनकी इस उपलब्धि ने विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। संस्था का कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा, जो विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुशासित वातावरण एवं शिक्षकों की समर्पित मेहनत का परिणाम है विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे वे न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।इस अवसर पर संस्था के *संचालक श्री आर.बी. मालवीय* ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के समर्पण का संयुक्त परिणाम है।

छात्रावास में प्रवेश के लिए एमपी टास्क पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून

सीहोर(निप्र)। जिले में संचालित अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के छात्रावास और आश्रमों का MP TAASC मॉड्यूल के माध्यम से संचालन किया जा रहा है। शिक्षण सत्र 2026-27 में जो विद्यार्थी छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते है, वे छात्रावास में प्रवेश के पहले अपना प्रोफाइल पंजीयन करा लें, बिना प्रोफाइल पंजीयन के छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पंजीयन के लिए वेबसाईट www.tribal.mp.gov.in पर जाकर नया हितग्राही प्रोफाइल पंजीकरण किया जा सकता है। विद्यार्थी जिस छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते है उस छात्रावास से नि:शुल्क आवेदन फार्म प्राप्त करें और पूर्ण भरा हुआ आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ (जैसे-जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी समग्र आईडी, आधार नंबर, प्रोफाइल पंजीयन, बैंक खाते की पासबुक, पिछली कक्षा की अंकसूची) छात्रावास में अधीक्षक के पास 30 जून 2026 तक जमा करा सकते है।

दो पक्षों के झगड़े में एक पक्ष से एक आरोपी गिरफ्तार और दूसरे पक्ष से एक बाल अपचारी अभिरक्षा में

आरोपी को माननीय न्यायालय पेश कर भेजा गया जेल

भैरूंदा/नसरुल्लागंज (संजय कलमोर)। फरियादी द्वारा रिपोर्ट किया कि दिनांक 16/04/2026 को फरियादी व उसके जीजा अंकेश को रोहित तथा संतोष परते ने माँ-बहन की गंदी गंदी गालिया दी देकर जान से मारने की नीयत से अंकेश एक्के को मारा जिससे अंकेश को गंभीर चोटे आयीं 7 फरियादी की रिपोर्ट पर थाना भैरुंदा मे अपराध क्रमांक 214/2026 धारा 296(बी),109(1),3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया । साथ ही दूसरे पक्ष के पीड़ति रोहित बिले निवासी धौलपुर की रिपोर्ट पर आरोपी अंकेश और अन्य बाल अपचारी निवासी पलाशी कलां के विरुद्ध अपराध क्रमांक 217/26 धारा 296(b),115(2),109(1),3(5)bns का पंजीबद्ध किया गया।

घटना की सूचना मिलने के तत्काल पश्चात पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के घायल व्यक्तियों को तत्काल थाने के वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया जिनको प्राथमिक उपचार के पश्चात सीहोर रेफर किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सीहोर दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनीता रावत एवं एसडीओपी रौशन कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम घटना का मुआयना किया जाकर एक पक्ष से फरार आरोपी संतोष परते पिता रमेश उम्र 35 साल निवासी वार्ड क्रमांक एक आईटीआई कॉलोनी भेरूंदा सीहोर को बाइपास भेरुंदा से गिरफ्तार किया किया ।

प्रेक्षा बनवैया ने कक्षा दसवीं सीबीएसई 92% IES स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त कर मारी बाजी

सीहोर । सीहोर प्रेक्षा बनवैया ने कक्षा दसवीं सीबीएसई 92 प्रतिशत IES स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने स्कूल एवं अपने माता पिता का नाम रोशन किया है उसके साथ ही शहर का नाम भी रोशन किया है । छात्रा प्रेक्षा बनवैया ने कड़ी मेहनत कर परीक्षा में सफलता हासिल की है इस का श्रेय उन्होंने स्कूल प्रबंधन और अपने माता पिता को दिया है उन्ही के आशीर्वाद और मेहनत से सफलता प्राप्त की है । छात्रा प्रेक्षा बनवैया के पिता सतीश बनवैया माता डाक्टर संगीता बनवैया है उन्होंने बताया कि हमारी बेटी हमेशा से पढ़ाई में रुचि रखती है और कड़ी मेहनत करती है ये उसी का परिणाम है कि आज उसने इतने अच्छे परसेंटेज बनाकर हमारा नाम रोशन किया हमारे दिल को बहुत गर्व महसूस हो रहा है में स्कूल प्रबंधन को बधाई और धन्यवाद देता हूँ और अपनी बेटी को भी इस सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते है ताकि वह आगे चलकर और सफलता प्राप्त कर शहर का नाम रोशन करे और हमे गर्व महसूस कराये । छात्रा प्रेक्षा बनवैया की इस उपलब्धि पर शहर वासियों एवं परिजनों ने उन्हें बधाई दी है । इसके साथ ही शहर के लोकप्रिय विधायक सुदेश राय एवं शहर के कई जनप्रतिनिधियों ने बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ।

शहर के बीएसआई मैदान पर कारपोरेट प्रतियोगिता में आईपीसीए ने अलअहमद सीनियर को 76 रन से हराया

सीहोर(निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर स्व.श्रीराजमल मेवाड़ा पूर्व विधायक की स्मृति में खेली जा रही कारपोरेट क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को एक मात्र मुकाबला खेला गया था, इस मुकाबले में आईपीसीए ने अलअहमद सीनियर क्रिकेट टीम को 76 रन से हराया। इस मैच के दौरान पूर्व अंतराष्ट्रीय क्रिकेटर जेपी यादव ने 25 रन और समीर कुरैशी ने मात्र 42 गेंद पर 91 रन की पारी खेली। इस मौके पर आयोजन समिति की ओर से चेतन मेवाड़ा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी आईपीसीए टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 209 रन बनाए थे। इसमें जेपी यादव ने 25 रन, समीर कुरैशी ने 91 रन, शहरूख खान ने 19 रन, पियुष राज सक्सेना ने 28 रन, जमरान जावेद ने 27 रन बनाए थे। इधर अलअहमद सीनियर की ओर से गेंदबाजी करते हुए रवि सबिर ने 1-1 विकेट, रवि आरपी ने दो विकेट हासिल किए।इसके अलावा लक्ष्य का पीछा करने उतरी अलअहमद सीनियर टीम 17 ओवर में 133 रन दस विकेट खोकर बनाए थे। इसमें शहरूख खान ने 11 रन, सबिर ने 48 रन, रसीद अंसारी ने 10 रन, ईशा पठान ने 21 रन की पारी खेली। वहीं आईपीसीए की ओर से गेंदबाजी करते हुए सन्नी भटनागर-विनोद पाल ने तीन-तीन विकेट, जमरान, पियुष, शेखर नवल ने एक-एक विकेट झटके।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जानापाव में आकार लेगा

भव्य श्री परशुराम लोक

धर्म, शौर्य, ज्ञान और
न्याय के दिव्य प्रतीक

भगवान श्री परशुराम का पावन प्रकटोत्सव

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 अप्रैल 2026 | जानापाव कुटी, इंदौर

भगवान श्री परशुराम तप, शौर्य और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। जानापाव में 'श्री परशुराम लोक' का निर्माण हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रयास है। निश्चित रूप से यह भव्य लोक भगवान श्री परशुराम की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय माध्यम बनेगा।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

D-11011/26